केवल आप के लिये
गांव–गांव शहर–शहर देश दुनियां में अपनों तक पहुंचाना है तो :भारतीय बस्ती दैनिक वेब
www.bhartiyabasti.com
और उसका छपा संस्करण
सबसे बेहतर माध्यम
सम्पर्क–bhartiyabasti@gmail.com
मो0 9450567450| 9336715406

दैनिक भारतीय बस्ती

भारतीय बस्ती
www.bhartiyabasti.com के लिये विज्ञापन बुक कराये।
विचार, प्रचार का सशक्त माध्यम
सम्पर्क
मो0 9450567450
9336715406
भारतीय बस्ती आमंत्रण मूल्य 2रूपया

R.N.I. 38784/81 डाक पंजीकरण सं0 B.S.T 59 बस्ती, वर्ष :46 अंक 113 शनिवार 16 नवम्बर 2024 (बस्ती संस्करण) बस्ती एवं अयोध्या–फैजाबाद से एक साथ प्रकाशित पृष्ठ :4मूल्य:3.00 रुपया www.bhartiyabasti.com

एक नजर

घर में घुसकर लूटपाट, छेड़खानी मामले में मुकदमा दर्ज

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। मुंडेरवा पुलिस ने घर में घुसकर महिला के साथ मारपीट, लूटपाट व छेड़खानी के आरोप में केस दर्ज किया है। इसी थानाक्षेत्र की रहने वाली पीड़िता का आरोप है कि विपक्षियों ने पुरानी रंजिश को लेकर घर में घुसकर अपशब्द कहते हुए मारापीटा। सोने का मंगलसूत्र व बाली छीन ली और ब्लॉउज फाड़ दिया। घर में रखे सामान को तोड़फोड़ दिया व रेप की धमकी दी। राजाराम, पंकज समेत पांच के खिलाफ केस दर्ज किया है।

पेड़ से लटकती मिली युवक की लाश

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। रामजानकी मार्ग पर दुबौलिया थानाक्षेत्र के बैरागल पेट्रोल पंप के पास स्थित गुलौरी बुजुर्ग गांव के बाग में एक 45 वर्षीय व्यक्ति का शव आम के पेड़ की डाल से गमछे से लटकता मिला। सूचना पर पहुंची दुबौलिया पुलिस व फॉरेंसिक टीम मौके पर पहुंची और साक्ष्य जुटाए। इसके बाद पंचनामा भरकर शव को पीएम के लिए भेज दिया है। थानाप्रभारी संध्या रानी तिवारी ने बताया कि पीएम रिपोर्ट आने के बाद मौत का सही कारण का स्पष्ट हो सकेगा। दुबौलिया थानाक्षेत्र के बैरागल निवासी ब्रह्मादीन (45) पुत्र रामनिहाल की शादी नहीं हुई थी। वह अकेले रहते थे। मृतक के भाई देवतादीन ने पुलिस को प्रार्थना–पत्र देकर बताया कि मेरा भाई ब्रह्मादीन नशे का आदी था। उनकी तबीयत भी ठीक नहीं रहती थी। गुरुवार की सुबह बैरागल पेट्रोल पंप के पास गुलौरी बुजुर्ग बगिया में आम के पेड़ से उसका लटकता मिला। घटना की जानकारी मिलते ही काफी संख्या में ग्रामीणों की भीड़ मौके पर एकत्र हो गई। पुलिस घटना के पीछे की वजह तलाशने में जुटी है।

आर्थो ओपीडी में चोरी करते एक युवक पकड़ा गया

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। ओपेक अस्पताल कैली में हड्डी विभाग की ओपीडी में चोरी करते एक चोर रंगेहाथ पकड़ लिया गया। वह तीमारदार के जेब से पैसे चोरी कर रहा था। चोरी करते समय ओपीडी में एक तीमारदार की जेब में हाथ डाला था कि तीमारदार ने विरोध किया। उसके विरोध पर चोर भागने लगा। लोगों ने उसे दौड़ाकर पकड़ लिया और पुलिस के हवाले कर दिया। मौके पर पहुंची सोनूपार चौकी पुलिस ने जांच शुरू कर दिया है। विभागाध्यक्ष डॉ. विजय शंकर ने बताया ओपीडी में चोरी करते रंगेहाथ एक चोर को लोगों ने धर दबोचा। गुरुवार को ओपीडी मरीजों की भीड़ अधिक थी। गार्ड नहीं होने से चोर ओपीडी में घुस गया। मरीज के तीमारदार ने बताया कि ओपीडी में पांच हजार रुपया चोर ने निकाल लिया था।

डीजे की आवाज को लेकर मारपीट

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। गौर थानाक्षेत्र में बुढापार में डीजे को लेकर मारपीट हो गई। गांव के अमरनाथ यादव ने बताया कि उनकी भैंस बच्चा देने वाली है। आरोप है कि विपक्षी 12 नवंबर को उनके दरवाजे से सटाकर डीजे बजा रहे थे। यह देख उन्होंने डीजे धीरे बजाने को कहा।

इसी बात को लेकर विपक्षियों ने मारपीट कर अपशब्द कहते हुए जानमाल की धमकी दी। पुलिस ने गांव के सूरज निषाद, नन्हू निषाद व शेषमणि के खिलाफ केस दर्ज कर लिया है।

मुख्यमंत्री योगी की कुर्सी के नीचे खोदी जा रही है सुरंग– अखिलेश यादव

लखनऊ (आभा)। समाजवादी पार्टी अध्यक्ष अखिलेश यादव ने शुक्रवार को उत्तर प्रदेश की भाजपा सरकार की तीखी आलोचना करते हुए उसपर संविधान को कमजोर करने का आरोप लगाया और अपनी पार्टी के लोकतंत्र की रक्षा के लिए प्रतिबद्ध रहने का दावा किया। खैर विधानसभा क्षेत्र से सपा प्रत्याशी डॉ. चारू कैन के समर्थन में जनसभा को संबोधित करते हुए यादव ने कहा, 'मुठभेड़ करने वाली सरकार संविधान पर भरोसा नहीं करती।'

सीएम योगी पर हमलावर हुए पूर्व सीएम अखिलेश यादव ने कहा, 'हमारे मुख्यमंत्री समाज में विस्फोटक (बारूद) बिछा रहे हैं, लेकिन उन्हें नहीं पता कि उनकी कुर्सी ही खतरे में है। योगी पर कटाक्ष करते हुए अखिलेश बोले, उनकी कुर्सी के नीचे सुरंग खोदी जा रही है, और वह भी खतरे में है। उन्होंने भाजपा सरकार पर अपने व्यापारिक सहयोगियों को लाभ पहुंचाने के लिए महंगाई बढ़ाने और युवाओं को स्थायी रोजगार देने में विफल रहने तथा इसके बजाय सार्वजनिक संसाधनों को बर्बाद करने का भी आरोप लगाया। उन्होंने कहा, हमने लोगों को संविधान के बारे में शिक्षित करने का काम किया है और श्इंडियाश गठबंधन को व्यापक समर्थन मिला है। लेकिन इसका मतलब यह नहीं है कि सत्तारूढ़ पार्टी इसमें दखल नहीं दे सकती।'

उन्होंने कहा,'हम, समाजवादी पार्टी, संविधान और अपने लोकतंत्र की रक्षा करना जारी रखेंगे।' यादव ने राज्य के नेतृत्व पर भी कटाक्ष करते हुए कहा, 'साधु–संत कम बोलते हैं, लेकिन कलयुग (वर्तमान युग) में वे अधिक बोल रहे हैं।' यह टिप्पणी उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की ओर इशारा थी। यादव ने कहा,'जिनके बारे में हमने सोचा था कि वह सच बोलेंगे, वह झूठ के सौदागर बन गए हैं।'

भाजपा के संगठन पर्व कार्यशाला में नये सदस्यों को जोड़ने पर जोर

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। भाजपा के संगठन पर्व के तहत जिले के विभिन्न मंडलों में कार्यशालाओं का आयोजन किया गया। इसी क्रम में विक्रमजोत मण्डल की कार्यशाला अमौलीपुर मन्दिर परिसर में आयोजित की गई, कार्यशाला की अध्यक्षता मण्डल अध्यक्ष मनीष सिंह ने किया। मुख्य अतिथि के रूप में भाजपा के पूर्व मीडिया प्रभारी और मण्डल चुनाव अधिकारी अमृत कुमार वर्मा ने पार्टी ने भाजपा के सदस्यता अभियान और संगठन पर्व की सफलता के बारे में जानकारी देते हुए कहा कि बूथ समिति गठन के बाद मण्डल का गठन चुनाव आयोजित किए जाएंगे। कार्यकर्ताओं से कहा कि भाजपा संगठन चुनाव को एक पर्व के रूप में मनाया जा रहा है, और यह कार्यशाला आगामी चुनाव प्रक्रिया के लिए महत्वपूर्ण कदम है। श्री वर्मा ने बताया कि सभी बूथों का गठन 15 नवम्बर से 25 नवम्बर तक सर्वसम्मति से किया जाएगा। बताया कि 2 सितम्बर से शुरू हुआ सदस्यता अभियान अब पूरे जिले में जोर पकड़ चुका है और भाजपा के ढाई लाख से अधिक सदस्य बन चुके हैं। 20 नवम्बर तक नये सदस्य जोड़ने का अवसर अभी है। सभी शक्तिकेन्द्र चुनाव अधिकारियों को कार्यों को सर्वसम्मति से संपन्न करने की जिम्मेदारी दी गई है। कार्यशाला में करीब सैकड़ों कार्यकर्ताओं ने हिस्सा लिया और संगठन के चुनाव को पर्व के रूप में मनाने का संकल्प लिया। इस आयोजन में भाजपा कार्यकर्ताओं को 20 नवम्बर तक 50 नये सदस्य जोड़ने के लिए प्रेरित किया गया, ताकि वे संगठन के सक्रिय सदस्य बन सकें। इस मौके पर देवेन्द्र सिंह, ब्लाक प्रमुख केके सिंह, बजरंग बिहारी पाण्डेय, सुनील सिंह काका, महेंद्र प्रताप सिंह, तेज बहादुर सिंह, इन्द्र कुमार शुक्ल, सुरेन्द्र बहादुर सिंह, दुर्गेश सिंह, सचिन कन्नौजिया, डिम्पल सिंह, शिव विशाल वर्मा, अमर नाथ शर्मा सहित शक्तिकेन्द्र संयोजक एवं बूथ अध्यक्ष मौजूद रहे।

दूकान में घुसकर मारा पीटा, छीन लिया रूपया, एसपी से न्याय की गुहार

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। सोनहा थाना क्षेत्र के मझारी पश्चिम निवासी सालिकराम पुत्र विशम्भर ने पुलिस अधीक्षक को प्रार्थना पत्र देकर न्याय की गुहार लगाया है। पत्र में सालिकराम ने कहा है कि मझारी चौराहे पर प्राइमरी स्कूल के पास उसकी किराना की दूकान है। गत 11 नवम्बर की शाम को गांव के ही शिवराम यादव पुत्र पंचम ने पानी मांगा, उसने पानी देने के बाद जब पैसा मांगा तो वे गालियां देने लगे। फोन कर अन्य लोगों को बुला लिया और दूकान में घुसकर 15 हजार नकदी निकाल लिया और दूकान में रखा सामान फेंकने लगे। मना करने पर शिवराम ने डण्डे से उसे मारा। उसकी पत्नी लक्ष्मी को भी मनोज ने लाठी से पीटा जिससे उसके हाथ की हड्डी फट गई। गांव के लोगों ने बीच बचाव किया। घटना की सूचना सोनहा थाने पर दी गई। पुलिस से उसे न्याय नही मिल पाया। सालिकराम ने मामले में दोषियों के विरूद्ध कार्रवाई और अपने परिवार के जान माल के रक्षा की गुहार लगाया है।

मुख्यमंत्री योगी ने बताया कैसे बढ़ेगी किसानों की आय

लखनऊ (आभा)। सीएम योगी आदित्यनाथ ने किसानों की आय बढ़ाने पर जोर दिया। सीएम योगी किसानों की आय बढ़ाने के तरीके भी बताए। सीएम योगी ने शुक्रवार को कहा कि किसानों को सूदखोरी के चंगुल से मुक्त करके स्वावलंबन की दिशा में अग्रसर कर और कृषि को उद्यम से जोड़ कर किसानों की आय में इजाफा किया जा सकता है। सीएम योगी ने कृषि भारत 2024 कार्यक्रम के उद्घाटन समारोह को संबोधित करते हुए कहा कि बेहतर तकनीक का उपयोग करते हुए हम कैसे कृषि क्षेत्र को आगे बढ़ा सकते हैं इस पर फोकस करना होगा। देश के अंदर अलग–अलग राज्यों के अपने अनुभव होंगे, अलग अलग एग्रीकल्चरल क्लाइमेटिक जोन के अनुसार देश के विभिन्न क्षेत्रों ने उल्लेखनीय प्रगति की, विश्व में भी विषम परिस्थितियों के बीच ऐसा हुआ है। ऐसे में, अगर बेस्ट प्रैक्टिसेस को शेयर करते हैं तो बहुत कुछ हम लोग एक–दूसरे से सीख सकते हैं। कृषि व प्रौद्योगिकी के इस 4 दिनी महाकुंभ का आयोजन वृंदावन योजना मैदान में किया जा रहा है।

उन्होंने कृषि को उद्यमिता से जोड़ने और किसानों की आय बढ़ाने के लिए आधुनिक तकनीक के इस्तेमाल पर फोकस किया। कार्यक्रम से पूर्व योगी ने कंट्री पार्टनर नीदरलैंड्स के साथ द्विपक्षीय बैठक में भी हिस्सा लिया जिसमें नीदरलैंड्स के उप कृषि मंत्री जैन कीस गोएट, नीदरलैंड्स की राजदूत मारिसा गेराईस की उपस्थिति में प्रतिनिधि मंडल संग बैठक की। उत्तर प्रदेश सरकार और नीदरलैंड्स के बीच दो एमओयू भी साइन किए गए हैं और प्रदर्शनी के विभिन्न स्टॉल्स का सीएम योगी ने आवलोकन भी किया।

करीब 20 हजार वर्ग मीटर क्षेत्र में कृषि भारत प्रदर्शनी का आयोजन हो रहा है जहां कृषि के सतत विकास व नवाचार को किया शोकेस किया जा रहा है। कृषि, डेयरी, खाद्य प्रसंस्करण से जुड़े उपकरण व कृषि सेवाओं और प्रौद्योगिकी से जुड़ी अन्य सेवाओं इस प्रदर्शनी में 250 से ज्यादा प्रदर्शक व 1 लाख से अधिक कृषक और आगंतुक कार्यक्रम में उपस्थिति दर्ज कराएंगे। कृषि भारत का आयोजन सीआईआई द्वारा किया जा रहा है जो विश्व स्तरीय कृषि प्रौद्योगिकी प्रगति के प्रदर्शन के लिए राज्य तथा राष्ट्रीय पवेलियन के तौर पर कार्य करेगा। योगी ने प्रदेश वासियों को गुरु नानक देव जी के 555वें प्रकाश पर्व, कार्तिक पूर्णिमा और धरती आबा और जनजातीय गौरव के प्रतीक भगवान बिरसा मुंडा के 150वें जन्मदिवस पर शुभकामनाएं दीं।

सीएम योगी ने सीआईआई का धन्यवाद करते हुए कहा कि वर्ष 2000 से सीआईआई एग्रोटेक का भारत में आयोजन कर रहा है। पहली बार यह आयोजन चंडीगढ़ से हटकर उत्तर प्रदेश में आयोजित हो रहा है जो कि काफी मायने रखता है। उत्तर प्रदेश में सीआईआई के साथ मिलकर नीदरलैंड्स पार्टनर कंट्री के रूप में और ऑस्ट्रेलिया, कनाडा, यूगांडा, स्पेन, यूके जैसे देशों की सहभागिता के साथ ही कृषि से जुड़े हुए एक्सपर्ट्स व स्टेकहोल्डर्स भी इस आयोजन में हिस्सा ले रहे हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि उत्तर प्रदेश में भारत की सबसे बड़ी आबादी भारत में निवास करती है। यह 17 प्रतिशत यानी 25 करोड़ है। देश की कुल कृषि योग्य भूमि का प्रदेश में केवल 11 प्रतिशत है, मगर हमारा कृषि उत्पादन देश के कुल एग्रीकल्चरल प्रोडक्शन का 20 प्रतिशत है, जो कि हमारे उत्तम जल संसाधन और उर्वरा भूमि ताकत को दर्शाता है। इसमें अभी भी बहुत संभावनाएं हैं।

वर्तमान में हमें डिजिटल एग्रीकल्चर व टेक्नोलॉजी के माध्यम से जो उत्पादन बढ़ाने में मदद मिली है उसे हम तीन से चार गुना बढ़ा सकते हैं। कृषि की लागत को कम करना और आधुनिक तकनीक के इस्तेमाल के साथ ही केमिकल फर्टिलाइजर पर निर्भरता को घटाकर प्राकृतिक संसाधनों का उपयोग करने पर सीएम योगी ने फोकस किया। उन्होंने कहा कि किसानों को इसके बारे में जागरूक करना, बीज को बाजार में पहुंचाने की सुलभता, किसान को उपलब्ध कराने और कृषि को उद्यमिता से जोड़ते हुए एक व्यापक बदलाव की गुंजाइश है। योगी ने कहा कि पीएम मोदी के नेतृत्व में हमने किसानों के हित के लिए अनेक कदम उठाए हैं।

मृदा परीक्षण, कृषि बीमा, कृषि सिंचाई के साथ ही देश के अंदर 12 करोड़ अन्नदाता किसान सम्मान निधि का लाभ प्राप्त कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि मुझे प्रसन्नता है कि नीदरलैंड्स की राजदूत ने यूपी के अपने पिछले दौरे पर इन मुद्दों पर चर्चा की थी। यूपी और नीदरलैंड्स के बीच इसी से संबंधित दो महत्वपूर्ण एमओयू हुए हैं। गवर्नमेंट टू गवर्नमेंट के अलावा बी2बी एमओयू भी हुए हैं। कार्यक्रम में सीएम योगी के साथ ही कृषि मंत्री सूर्य प्रताप शाही, मत्स्य पालन मंत्री डॉ.संजय कुमार निषाद, कृषि विपणन व खाद्य प्रसंस्करण राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) दिनेश प्रताप सिंह, सीफ सेक्रेटरी मनोज कुमार सिंह, सीआईआई के वरिष्ठ अधिकारी, इनवेस्ट यूपी के सीईओ अभिशेक प्रकाश, एसीईओ व एलडीए के वीसी प्रथमेश कुमार समेत नीदरलैंड्स के उप कृषि मंत्री जैन कीस गोएट, नीदरलैंड्स की राजदूत मारिसा गेराईस की प्रमुख उपस्थिति में प्रतिनिधि मंडल, कृषि उत्पादन आयुक्त मोनिका गर्ग, सीआईआई के अध्यक्ष व आईटीसी लिमिटेड के अध्यक्ष व प्रबंध निदेशक संजीव पुरी, तथा उन्य देशों से आए हुए प्रतिनिधि उपस्थित रहे।

पीसीएस प्री परीक्षा की नई तारीख जारी 22 दिसंबर को एक दिन में होगी परीक्षा

प्रयागराज (आभा)। उत्तर प्रदेश लोक सेवा आयोग ने पीसीएस 2024 की प्रारंभिक परीक्षा की तारीख का ऐलान कर दिया है। आयोग ने परीक्षा की अब नई तारीख जारी की है। आयोग परीक्षा की तारीख का नोटिस जारी करते हुए कहा, सात और आठ दिसंबर को होने वाली पीसीएस प्री परीक्षा अब 22 दिसंबर को एक ही दिन कराई जाएंगी। पहली पाली सुबह साढ़े नौ बजे से साढ़े 11 बजे तक और दूसरी पाली दोपहर के ढाई बजे से साढ़े चार बजे तक परीक्षा आयोजित की जाएगी। आयोग के इस फैसले के बाद से माना जा रहा है कि आरओ और एआरओ परीक्षा की तारीखों में भी बदलाव किया जा सकता है। ये परीक्षा पहले 22 और 23 दिसंबर को होनी थी।

प्रयागराज में पीसीएस और आरओ, एआरओ परीक्षा को लेकर हो रहे प्रदर्शन के पांचवे दिन आंदोलनरत छात्रों में फूट पड़ गई। दो दिन परीक्षा कराए जाने को लेकर विरोध कर रहे छात्रों के एक गुट ने शुक्रवार को धरना–प्रदर्शन से हटने का ऐलान कर दिया। धरना दे रहे छात्रों के एक गुट ने घोषणा करते हुए कहा, वह अपना आंदोलन वापस लेते हैं। एक गुट द्वारा धरना करने की घोषणा के बाद भी 50 से अधिक छात्र एक दिन में परीक्षा कराने की मांग को लेकर लोक सेवा आयोग के गेट नंबर 2 के बाहर बैठे हुए हैं।

बतादें कि छात्र आंदोलन के कारण पीसीएस 2024 प्रारंभिक परीक्षा दो की बजाय एक दिन में कराने के फैसले के बाद अब सात और आठ दिसंबर को होनी वाले एग्जाम को टाल दिया गया था। परीक्षा टाले जाने को लेकर एक दिन पहले ही नोटिफिकेशन भी जारी किया जा चुका हे। दरअसल उत्तर प्रदेश लोक सेवा आयोग के सचिव अशोक कुमार की एक दिन में परीक्षा कराने की घोषणा के बाद जिलाधिकारी रविन्द्र कुमार मांदड़ भी छात्रों के बीच पहुंचे थे और परीक्षा को लेकर छात्रों की शंकाओं को भी जाना था। छात्रों ने जब परीक्षा तिथि के बारे में जानकारी चाही तो डीएम ने साफ किया परीक्षा टलेगी। आयोग की ओर से नई तिथि जारी की जाएगी।

12 जनवरी 2024 को जारी कैलेंडर में आयोग ने पीसीएस प्री 17 मार्च 2024 को कराने का निर्णय लिया था लेकिन आरओ/एआरओ 2023 प्रारंभिक परीक्षा का पेपर 11 फरवरी को लीक होने के कारण परीक्षा टालनी पड़ गई। उसके बाद आयोग ने तीन जून को जारी संशोधित कैलेंडर में 27 अक्तूबर को पीसीएस 2024 प्रारंभिक परीक्षा कराने की सूचना दी थी। हलांकि तमाम कोशिश के बावजूद मानक के अनुसार परीक्षा केंद्र नहीं मिलने के कारण आयोग ने पहले 27 और 28 अक्तूबर को परीक्षा कराने की तैयारी की। समय कम होने के कारण प्रारंभिक परीक्षा सात और आठ दिसंबर को कराने का निर्णय लिया गया। इस तरह से देखा जाए तो 17 मार्च को प्रस्तावित परीक्षा की तिथि का छात्रों को आठ महीने में बाद भी इंतजार है।

लोक सेवा आयोग ने समीक्षा अधिकारी (आरओ) और सहायक समीक्षा अधिकारी (एआरओ) परीक्षा–2023 को स्थगित कर दिया है। आयोग का कहना है कि परीक्षा की पारदर्शिता और निष्पक्षता सुनिश्चित करने के लिए एक समिति का गठन किया है। यह समिति सभी पहलुओं पर गहन अध्ययन कर अपनी विस्तृत रिपोर्ट शीघ्र प्रस्तुत करेगी, जिससे इन परीक्षाओं की शुचिता और विश्वसनीयता को सुनिश्चित किया जा सके। समिति की रिपोर्ट मिलने के बाद आरओ/एआरओ की परीक्षा तिथि तय की जाएगी। पांच नवंबर को आयोग ने यह परीक्षा 22 और 23 दिसंबर को कराने का निर्णय लिया था। हालांकि प्रतियोगी छात्र इसे भी एक दिन में ही कराने पर अड़े हैं। 19 जून के शासनादेश में सिर्फ पीसीएस को विशिष्ट श्रेणी में रखा गया था। ऐसे में आरओ/एआरओ पर क्या निर्णय होगा, इसका अभ्यर्थियों को इंतजार है। कुछ छात्रों का मानना है कि आयोग को यह परीक्षा भी एक दिन में करानी पड़ेगी। क्योंकि इससे पहले 11 फरवरी को एक दिन में 10,76,004 लाख अभ्यर्थियों की परीक्षा कराई जा चुकी है।

शेर सिंह उपाध्यक्ष, देवेन्द्र महासचिव बनेः रालोद की बैठक में सांगठनिक मजबूती पर जोर

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती । शुक्रवार को राष्ट्रीय लोकदल की मासिक बैठक जिलाध्यक्ष सर्वेश वर्मा की अध्यक्षता में लोहिया मार्केट स्थित पार्टी कार्यालय पर सम्पन्न हुई। बैठक में सांगठनिक मजबूती, सदस्यता अभियान चलाये जाने और जिला कमेटी के गठन पर विचार किया गया। बैठक में सर्व सम्मत से शेर सिंह को जिला उपाध्यक्ष और देवेन्द्र चौधरी को जिला महासचिव इरफान अहमद को अल्पसंख्यक प्रकोष्ठ का जिला अध्यक्ष नामित किया गया।

बैठक को सम्बोधित करते हुये क्षेत्रीय अध्यक्ष विवेक चौधरी ने कहा कि रालोद किसानों, नौजवानों के हितों के लिये संघर्ष करने वाली पार्टी है। गन्ना किसानों को कोई असुविधा न होने पाये, गन्ने का समय से भुगतान हो और युवाओं के लिये नौकरियों में अवसर के साथ ही स्वरोजगार विकसित हो इस दिशा में प्रभावी पहल किया जा रहा है। कहा कि मजबूत संगठन के आधार पर ही पूर्व प्रधानमंत्री चौधरी चरण सिंह और राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं केन्द्रीय मंत्री जयन्त चौधरी के स्वप्न साकार होंगे। बैठक में शिव कुमार गौतम, रमेश चन्द्र गिरी, बलिराम वर्मा, सुनील वर्मा ' सत्या' आदि ने महत्वपूर्ण सुझाव दिये। इरफान अहमद, शेर सिंह, अरूण चौधरी, शिव कुमार वर्मा, ऋषि राज वर्मा, देवेन्द्र प्रताप चौधरी आदि उपस्थित रहे।

परमहंस गौतम मण्डल अध्यक्ष रूद्रनरायन उर्फ रूदल महामंत्री बने

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। शुक्रवार को उत्तर प्रदेश पंचायती राज ग्रामीण सफाई कर्मचारी संघ बस्ती मण्डल के अधिवेशन में पदाधिकारियों का निर्वाचन कलेक्ट्रेट परिसर स्थित राज्य कर्मचारी संयुक्त परिषद के कार्यालय में चुनाव अधिकारी नरसिंह नरायन पाण्डेय की देख रेख में सम्पन्न हुआ। सर्व सम्मत से संतकबीर नगर जनपद के पूर्व जिलाध्यक्ष परमहंस गौतम मण्डल अध्यक्ष, सिद्धार्थनगर जनपद के परसुराम वरिष्ठ उपाध्यक्ष, बस्ती के पूर्व जिला महामंत्री रूद्रनरायन उर्फ रूदल मण्डलीय महामंत्री घोषित किये गये।

राज्य कर्मचारी संयुक्त परिषद के कार्यवाहक अध्यक्ष राम अधार पाल ने निर्वाचित पदाधिकारियों को शपथ दिलाकर प्रमाण–पत्र सौंपा। कहा कि पदाधिकारी पूरी निष्ठा के साथ अपने दायित्वों का निर्वहन करें। कर्मचारियों के अधिकार लगातार छीने जा रहे हैं, पुरानी पेंशन बहाली की मांग को लेकर आन्दोलन लगातार जारी है। ऐसे में हमें लक्ष्य प्राप्ति के लिये एकजुटता बनाये रखनी होगी।

–पंचायती राज सफाई कर्मचारी संघ के मण्डलीय अधिवेशन में पदाधिकारी घोषित

उत्तर प्रदेश पंचायती राज ग्रामीण सफाई कर्मचारी संघ जिलाध्यक्ष अजय कुमार आर्य, मंत्री मनोज चौहान, सिद्धार्थनगर जिलाध्यक्ष रणजीत गौतम, मंत्री विजय पाठक, संतकबीर नगर जिलाध्यक्ष राजेन्द्र प्रसाद, मंत्री नरेन्द्र कुमार ने कहा कि मण्डलीय पदाधिकारियों के चयन से अब सफाई कर्मियों के संघर्ष को नया बल मिलेगा और अधिकारों को प्राप्त करने की दिशा में अब आवश्यकता पड़ने पर समूचे बस्ती मण्डल के सफाईकर्मी अपनी आवाज को बुलन्द कर सकेंगे।

मण्डलीय अधिवेशन में मुख्य रूप से प्रान्तीय उपाध्यक्ष राजेश कुमार, पेशकार, अमित चक्रवर्ती, राम कृपाल चौधरी, शिवमंगल पाण्डेय, संजय यादव, धनंजय कुमार, अशोक चौहान, राजेन्द्र प्रसाद, मंशाराम, हृदयेश कुमार, राम दयाल, रमेश, मान सिंह, उदयराज यादव, गणेश कुमार, संजय शर्मा, राजेश, शिवकुमार भारती, मनोज वर्मा, राकेश यादव, जय मंगल, जितेन्द्र के साथ ही मण्डल के अनेक सफाईकर्मी और पदाधिकारी उपस्थित रहे।

"मुझे अखबार निकालने दो तो मै इस बात की परवाह नहीं करता कि कौन धर्म का नियामक है और कौन कानून का निर्माता"—वेंडेल फिलिप्स

दैनिक
भारतीय बस्ती
बस्ती 16 नवम्बर 2024 शनिवार

सम्पादकीय

संवैधानिक आयोग और राजनीति

देश के संवैधानिक आयोग नख—दंत विहीन हैं। ऐसे में भी आयोग के कर्त्ताधर्त्ता नेताओं की तरह व्यवहार करके आयोग की गरिमा को कम कर उपहास का पात्र बनते हैं। उत्तर प्रदेश के राज्य महिला आयोग ने इसी तरह का कृत्य करके अपनी महत्ता को कम करने का काम किया है। आयोग ने योगी सरकार को एक सिफारिश की है। इसमें प्रदेश में पुरुष टेलर द्वारा महिलाओं के कपड़ों का माप लेने पर रोक लगाने, कोचिंग सैंटरों में सी.सी.टी.वी. कैमरे और जिम में महिला ट्रेनर लगाने का जिक्र किया गया है। महिलाओं की सुरक्षा को देखते हुए आयोग ने यह प्रस्ताव भेजा है। आयोग का यह कृत्य दर्शाता है कि आयोग मूल उद्देश्यों से भटक कर राजनीतिक पैंतरेबाजी करने में जुटा है। आयोग को उत्तर प्रदेश में महिलाओं के साथ होने वाले अपराध, आर्थिक और शैक्षणिक स्थिति में सुधार करने से कोई सरोकार नहीं है।

आयोग की इस सिफारिश को अब शासन से मंजूरी मिलने का इंतजार है। आयोग के इस प्रस्ताव में प्रदेश में कानून—व्यवस्था की मौजूदा हालत का जिक्र नहीं है। आयोग ने यह भी नहीं बताया कि सिफारिश में किए गए प्रावधान ही क्या महिलाओं के साथ होने वाले अपराधों के लिए जिम्मेदार हैं। आयोग ने अपराधों के बाद पुलिस कार्रवाई के तौर—तरीकों पर एक लाइन भी नहीं कही। बालिकाओं के शैक्षणिक स्थलों के पास छेड़छाड़ की घटनाएं रोकने के लिए महिला पुलिसकर्मियों की स्थायी तैनाती पर आयोग चुप रहा। महिला आयोग ने यह भी नहीं बताया कि प्रदेश में इतनी संख्या में प्रशिक्षित महिलाओं का इंतजाम कैसे होगा। क्या सरकार इसके लिए महिलाओं के प्रशिक्षण का इंतजाम करने में सक्षम है। प्रशिक्षण के बाद स्वरोजगार के लिए महिलाओं को ऋण और स्थान इत्यादि की व्यवस्था कैसे होगी, इसका आयोग की सिफारिश में कोई जिक्र नहीं है।

महिलाओं की सुरक्षा की ड्क्षचता करने वाला उत्तर प्रदेश का महिला आयोग यह भूल गया कि प्रदेश की सार्वजनिक परिवहन व्यवस्था चरमराई हुई है। यात्रियों से ठसाठस भरे वाहनों में महिलाओं को बेहद मुश्किलों का सामना करना पड़ता है। महिलाओं के लिए प्रदेश में अलग से परिवहन की व्यवस्था नहीं है। आरक्षित सीटों पर भी महिलाओं को भारी मशक्कत करनी पड़ती है। सार्वजनिक परिवहन में महिलाओं से छेड़छाड़ की बात आम है। महिला हितों की पैरवी करने वाले महिला आयोग की निगाह यहां तक नहीं पहुंची। इसी तरह महिलाओं की बीमारियों से और प्रसूति की हालत से निपटने के लिए पर्याप्त चिकित्सकों और अस्पतालों की व्यवस्था नहीं है।

आयोग ने पुलिस थानों में महिलाओं की पर्याप्त संख्या और महिला पुलिस थानों की जरूरत पर जोर नहीं दिया। महिलाओं के लिए आज भी पुलिस थानों में जाकर शिकायत दर्ज कराना आसान नहीं है। पुलिसकर्मी पीड़ित महिलाओं से किस तरह का व्यवहार करते हैं, यह किसी से छिपा हुआ नहीं है। इसमें कोई संदेह नहीं कि उत्तर प्रदेश में योगी सरकार ने माफिया और गैंगस्टरों को धूल चटाने में कसर बाकी नहीं रखी। प्रदेश के लगभग सभी बड़े माफिया और गैंगस्टर या तो मारे जा चुके हैं या फिर जेलों में बंद हैं, इसके बावजूद यह नहीं कहा जा सकता कि आम लोगों के लिए पुलिस की कार्यप्रणाली में सुधार हुआ है। पुलिस में भ्रष्टाचार और भेदभाव की घटनाएं आम हैं। आयोग ने इन तमाम मुद्दों को नजरअंदाज कर दिया। आश्चर्य की बात यह है कि व्यावसायिक प्रतिष्ठानों और दुकानों में महिलाओं की नियुक्ति की पैरवी करने वाला आयोग राज्य में महिलाओं के साथ हुए अपराधों पर सक्रिय कार्रवाई नहीं कर सका।

हाथरस और उन्नाव कांड इसका उदाहरण हैं। ऐसे अपराधों को रोकने के लिए आयोग ने कोई भूमिका नहीं निभाई। 14 सितंबर, 2020 को हाथरस में एक दलित युवती के साथ चार पुरुषों ने सामूहिक बलात्कार किया। इसी तरह 4 जून, 2017 को उन्नाव में 17 साल की लड़की के साथ सामूहिक बलात्कार हुआ। इसमें लड़की की मौत हो गई। ऐसे मुद्दों पर आयोग कोई ठोस सुझाव राज्य सरकार को नहीं दे सका। भारत में बाल मजदूरों की सबसे ज्यादा संख्या 5 राज्यों में है। सबसे ज्यादा बाल मजदूर उत्तर प्रदेश और बिहार में हैं। उत्तर प्रदेश में 21.5 फीसदी यानी 21.80 लाख और बिहार में 10.7 फीसदी यानी 10.9 लाख बाल मजदूर हैं। उत्तर प्रदेश में बाल मजदूरों की संख्या 21.7 लाख है। यह यू.पी. की कुल आबादी का 21 फीसदी है। हालांकि यह मुद्दा सीधा महिला आयोग के तहत नहीं आता, फिर भी कोई महिला अपने कलेजे के टुकड़े से मजदूरी कैसे करवा सकती है। महिला आयोग ने कभी इस पर विचार नहीं किया। राष्ट्रीय अपराध रिकॉर्ड ब्यूरो (एन.सी.आर.बी.) की रिपोर्ट के अनुसार, 2022 में महिलाओं के खिलाफ अपराधों (जैसे बलात्कार, हत्या, अपहरण, बलात्कार के बाद हत्या और सामूहिक बलात्कार) के मामलों में उत्तर प्रदेश देश में सबसे ऊपर रहा। इसमें 65,743 ऐसे मामले दर्ज किए गए। अपराध के आंकड़े इस बात का गवाह हैं कि इन कानूनों के बन जाने के बाद भी महिलाओं के साथ होने वाले अपराधों में ज्यादा सुधार नहीं हुआ। इसकी राज्य महिला आयोग ने कभी समीक्षा नहीं की। गौरतलब है कि आयोग को सिर्फ नोटिस देकर बुलाने का अधिकार है, कार्रवाई करने का अधिकार नहीं है।

गीतिकाव्य की अनुपम रचना—मुस्कुराता रूप तेरा

—प्रो. मुकेश मिश्र—

हिंदी साहित्य में गीतिकाव्य परंपरा काव्य की धारा की एक ऐसी धारा है जो गेय रूप में सबसे अधिक जनमानस में प्रिय रहा है हिंदी कवियों में प्रदीप जी ऐसे ही हस्ताक्षर के रूप में ,नीरज जी उसी धारा के बड़े हस्ताक्षर हैं जिन्होंने हिंदी गीत को एक आधार दिया !नव गीतकारों ने इसे बड़े रूप में रेखांकित किया! इसी धारा में एक नया बिल्कुल नया नाम प्रवासी साहित्यकार श्री सुरेश पांडे का भी है उन्होंने हिंदी काव्य धारा के बहाने गीतों को अपने मन की अनुभूति से गाने का प्रयास किया है उनका नवीनतम बिल्कुल आधुनिक गीतिकाव्य 'मुस्कुराता रूप तेरा 'आज के समय में हिंदी गीतिकाव्य में एक चर्चित गीतिकाव्य बना हुआ है ।

सुरेश पांडे हिंदी साहित्य के ऐसे गीतिकाव्य के रचयिता है जिन्होंने अपने 40 साल के प्रवास को सजोया है और मुस्कुराता रूप तेरा के सभी 50 गीतों में वह उभर कर आया है कहने को तो वह काव्य के सार्थक प्रहरी है पर गीतों की अभिव्यक्ति उनमें एक संचार भरती है उन्हें सुकून देती है और वह गुनगुनाते एक गीतिकाव्य की रचना कर देते हैं पिछले 40 वर्षों के जीवन को गीतिकाव्य के कंठ से परिभाषित करने का प्रयास है उनके गीतो का शिल्प सामान्य है पर उनकी अभिव्यक्ति बड़ी ही मार्मिक है उनके शिल्प को संदर्भित करते हुए श्री अशोक चंद दुबे ने मुस्कुराता रूप तेरा में लिखा श्इस काव्य संग्रह में इसका आकार अर्थात शिल्प की विविधता की विशेषता और उसके कथानक में अनोखापन कवि सुरेश पांडे की पहचान हैश स्वयं सुरेश जी ने स्वीकार किया है 'कि इसके गीत मेरी जुबान पर चढ़े हुए रहे हैं मेरे एकांत के साथी हैं आज तुम्हें मैं समाज के साथ साझा कर रहा हूं इसमें कुछ ऐसी भी चीज हैं जो मेरी नितांत वैयक्तिक है ।

सुरेश जी के गीत मौलिकता के ऐसे गीत है जिसमें उनका यथार्थवादी एहसासी विचार संदर्भ व्यक्त हुआ है शिल्प एवं अलंकार का सहारा बस कल्पना के लिए हुआ है डॉ जयशंकर शुक्ला ने लिखा है कि उसमें व्यक्त विचार भाव और शिल्प के लिए धन्यवाद देता हूं विभिन्न संदर्भों एवं विचारों की प्रमाणिकता से गीतकार के विद्वत जनों ने उन्हें यथार्थवादी गीतिकाव्य रचयिता मान लिया है जो सही है क्योंकि उन्होंने कभी भी कल्पना को बस सहयोग के रूप में रेखांकित किया है इसलिए वह पाठकों के बीच प्रिय है आज के रचनाकार कल्पनाओं के राजकुमार हैं यथार्थ से दूर है जो बिल्कुल सही नहीं है मेरा मानना है सुरेश जी यथार्थ के बहाने अपने गीतों को एक नया संबल देते हैं जिससे पाठक उनकी रचना प्रक्रिया के प्रति आकर्षित होता है सुरेशजी के गीतिकाव्य मुस्कुराता रूप तेरा में वही एहसास ,संवेदना , जो यथार्थ के धरातल पर जिसकी नींव है उसे उन्होंने वास्तविक चश्मे से देखने का प्रयास किया है काव्य की अभिव्यक्ति उनमें रची बसी है इतने वर्षों से प्रवासी रूप में स्वीडन में रहते हुए वह अपने उत्तराखंड के संस्कारों से याद करते हुए मनसुख पाते हैं वह उसे अपने गीतों में लिखते हैं

देवभूमि के स्वप्न सलोनी मेरे मन को भाते हैं/देवभूमि के भाव अनोखे मुझ में सुख उपजाते हैं

मैंने अपना जीवन सींचा देवभूमि के संस्कारों से

मुझ में मेरी आन बान है मेरी धरती के नारों से!

सुरेश जी के गीतों में यथार्थ है जो उन्हें यह अन्य गीतोंकारों से पृथक करता है गीतों में शब्दों का संयोजन इतना सरल और सहज है कि सामान्य पाठक भी आसानी से गुनगुना कर अर्थ तक पहुंच जाता है जो सुरेश जी की बड़ी सफलता है उनका गीतिकाव्य छायावाद की काव्य रचना प्रक्रिया से विशेष प्रभावित है और समय की परिधि और पतझडो के पत्तों से बात करते हुए अपने 'पात कितने झड़ चुके हैं' गीत काव्य में उसे व्यक्त करते हुए लिखते हैं

उम्र कितनी /ढल चुकी है/ क्या गिनूं मैं/ साल इसके पात कितने /झड़ चुके हैं /क्या गिनूं में /पतझड़ों को क्या कहूं।

अपने हृदय की बात छोटे /और बड़ों को!

प्रेम गीत सभी गीत काव्य कवियों ने लिखे हैं सुरेश जी भी उसे पृथक नहीं है उनका प्रेम संदर्भ श्तेरी यादों नेश गीति काव्य में एक शास्वत प्यार दिखता है वह लिखते हैं

सावन सारी/रीत गये हैं /मौसम सारे/ बीत गए हैं

कोई ऐसी/ सांस न आई /कोई ऐसी आप ना आई/ तेरी मुस्कानों / का हमने/ रोज यहां पर /झरना देखा /फूल खिले जिसध भी बगिया में/ उसने तेरा/ खिला देखा

मुस्कुराता रूप तेरा गीतिकाव्य के शब्दों की क्यारी में खुद की तलाश शीर्षक में सुरेश जी लिखते हैं —इस संग्रह में कुल 50 गीत मैंने अपने जीवन भर की यात्रा को अलग—अलग रूपों में व्यक्त किया है यहां पर आज मेरे आयु को लेकर इस संग्रह का मूल्यांकन करने की कोशिश मत कीजिए क्योंकि यह यहां 18 साल के सुरेश पांडे ने भी लिखा है और 65 साल तक आते जीवन के बीच पड़ाव में मेरे द्वारा लिखी गई रचनाओं को यहां पर संग्रह में संग्रहीत किया गया है जिसमें मेरे भाव मेरी थाती के रूप में है वक्तव्य से स्पष्ट है कि सुरेश जी ने इस संग्रह में अपने गीतों में उम्र के सभी पड़ाव को जैसा—जैसा होगा उसे अपने गीतों में स्थान दिया है उम्र के हर पड़ाव को उन्होंने अपनी स्मृतियों में सजोया है प्रारंभिक उम्र का एक गीत श्इन सपनों में क्याश वह गुनगुनाते हुए लिखते हैं

जुड़ जाता हूं /किस—किस से मैं /नहीं पता यह अब तक मुझको/ अपने दिल में/ कितने सपने अभी जगाने हैं फिर मुझको / अफसाने भी /अभी सुनाने है फिर मुझसे

सुरेश जी ने गीतों के अपने रचना संसार में हर भावों को बड़े भाव से निर्मित किया है बस उसकी विशेषता है कि वह पाठक को बड़े आसानी से समझ में आ जाते हैं इसलिए स्मृतियों का संदर्भ उनमे बराबर बना रहता है वार्ता कम सदैव उनके गीतों को कुछ नए रूप में देखते हैं 'आंसुओं का एक झरनाष गीत में कई संदर्भ इसकी प्रामाणिकता सिद्ध करते हैं वह लिखते हैं—

आंसुओं का/ एक झरना/बह रहा है/ कुछ हमारी हसरतों काध प्यार इसमे बह रहा है ध्यह हमारी/ धड़कनों का/ हाल हमसे कह रहा है

वह ऐसे गीतिकाव्य रचनाकार हैं जो स्मृतियों में रहकर सपनों को सजोते हैं जहां जीवन की कई अमराईया है/ लौट आओ घोसले मेंश गीत के प्रत्येक संदर्भ इसके प्रतीक रूप में संदर्भित है

शाम के/ लम्हे चले हैं /पंछियों को ध्यह बताने लौट आओ/ घोसलों में /रात के हैं 'ये ठिकाने कल नहीं/ देखा किसी ने ध्कह रहे हैं /ये दीवाने

एक जीवन /एक दिन का/ कट चुका है /जो यहां पर/ जिन उम्मीदों/ से भरा था/ घट चुका है/ वो/ यहां पर

सुरेश जी के गीतों में विविध संदर्भ है मुस्कुराता रूप तेरा संग्रह में उनके 40 वर्षों का स्मृति संयोजन है जिसमें जीवन के अनेक रंग है उन्हें रंगों में एक रंग प्रदूषण से बचने का रंग भी है 'आग की चिंगारियां पर श्गीत में वह प्रदूषण से मुक्त होकर खुले वातावरण में रातरानी की फिजा में गुनगुनाना चाहते हैं वह लिखते हैं

सांस कैसे/ ले रहे / हम यहां /अपने नगर में

किस तरह से घुट रहे / हम यहां/ अपने नगर में

क्यों फूंक कर /अपने चमन को/ हम जहर में ?

योजना कोईध नहीं है ध्जो प्रदूषणध को घटा दे!

काश खिलते/ फूल होते/ खुशबुओं से /तर हवा में/ गुनगुनाते/ गीत होते रात रानी की/फिजा में

उनका गीत संदर्भ हमेशा नए संदर्भों को लेकर कुछ बड़ा संदर्भ रचता है श्मन की दीपावली श्नामक गीतिकाव्य दीपावली के प्रति मानव को भिन्न—भिन्न संदर्भ में व्यक्त करता है दीपावली पर्व हर समय को प्रतिमानों में रेखांकित करता है

दीप मन का ध्जब जल तो/ मन गई दीपावली /यह अंधेरा /खास है कुछ जो दियो /से ही हटेगा /एक धीमी रोशनी ले /यह किनारों /पर रहेगा फूल दिल का /जब खिला तो/ बन गई दीपावली

झीलमिलाती /क्यों इसी में /यह विरल /दीपावली

क्यों अमावस/ की निशा में/ छा गई दीपावली

सुरेश जी ने गीतों के लिए कोई पूर्व पीठिका नहीं बनाते जैसे भाव एहसास आते हैं वह उसे अपने गीति काव्योंमें उतारतेचलते हैं श्नैनो के द्वार' गीत में वह उन्हीं संदर्भों से नैनो से झर जाने की बात करते हैं वह लिखते हैं

कुछ भी ऐसा /नहीं यहां पर/ जिसमें सांसे/ रुक जाती हो/ ये नयनो के /द्वार यहां क्यों

सम्मोहन हो/चाहे कितना /मेरे दिल से/ तेरे दिल तक / मन के सारे /आकर्षण भी/ धीरे—धीरे/ गह जाते हैं

झरने सारे
बह जाते हैं

उनकी गीतिकाव्य रचना विधान हमेशा स्मृतियों के बीच की गुनगुनाते है वहां कोई भी बनावटी पन देखने को नहीं मिलता है जैसा मन में गुनगुनाया है वैसा ही कैनवास पर उतारा है अपने गीतों के सरोवर में उनके गीत एक प्रयोजन में नहीं रखे गए जैसा संदर्भ मिला उसे ही गीतों में पिरो दिये इसलिए सुरेश जी के गीतों मे विविध रूपो में उतरे हैं इसलिए सभी परिणिति उन्हें मालूम है उनका गीतिकाव्य उनके जीवन के 40 वर्षों का चालीसा भी है जो उन्होंने गीतों के माध्यम से गाने का प्रयास किया है और यह प्रयास इसलिए सार्थक भी है क्योंकि सभी अर्थों में गया है गुनगुनाया है विभिन्न कार्यक्रमों एवं आयोजनों के माध्यम से उसे रेखा अंकित करने का प्रयास किया है वह लिखते हैं—

एक समुंदर /लहराता था/ धीरे—धीरे मन /गाता था/ कितने जन्मों ध्का नाता था ध्मुझे पता है/ तुम्हें पता है

अगणित मन/ की आशाएं थी /क्या—क्या /जाने छू लेती थी ध नहीं पता था/ हम दोनों कोध थाहे मन की /ले लेती थी

वह अधरो की/ बातें सारी /अधरो पर ही/ लिखी हुई है / कौन किताबों को पढता है /ताजमहल पर /खुदी हुई है /ताजमहल /बनवाया किसने/ मुझे पता है/ तुम्हें पता है

उपरोक्त गीतिकाव्य पंक्तियों से पता चलता है कि सुरेश जी अपने गीतों को अगणित ज्यामितीय संदर्भों और इतिहास के साक्ष्य से परिभाषित करते हैं जो उनकी गीतिकाव्य की एक महत्वपूर्ण विशेषता है वह गीतिकाव्य में स्मृतियों को ऐतिहासिकता से भी जोड़ते हैं जिससे स्मृतिया भी जीवंत सी लगती हैं कहने को तो उनका गीत का संसार हमेशा विविध रूप में निर्मित रहा है पर देखा जाए तो छायावाद की भावानुभूति उनके गीत का मुख्य आधार है उनके गीतों में कल्पना का रूप बस अलंकार, प्रतीक , शिल्पो के साथ बस कैनवस को थोड़ा बड़ा कर इस रेखाकित करने का प्रयास है इसके अतिरिक्त कुछ भी नहीं वह ऐसे गीत काव्य रचनाधर्मी है जिन्होंने अपने पहले गीतिकाव्य मुस्कुराता रूप तेरा से हिंदी काव्य के रचनाकारों को विवश किया है वह अपने मूल संदर्भों की ओर लौटते और उनके संदर्भों को अपने गीतिकाव्य का विषय संदर्भ रखा जिसका उन्होंने एहसास किया या भोगा है।

सुरेश जी ने गीतिकाव्य में अपने उन संदर्भों को व्यक्त किया है जिसमें उनका 40 वर्षों की चालीसा का गान है अपने गीतों से उन्होंने गीतकार को मजबूत किया है इसी गीतिकाव्य संग्रह के शब्दों से भाव के चित्रण शीर्षक में। डा जयशंकर शुक्ला ने ठीक ही लिखा है मैं इस संग्रह की कविताओं के लिए और उन में दर्द विचारों भाव शिल्पो के लिए सुरेश पांडे को सहदय धन्यवाद देता हूं उनके उन सभी प्रशन उन सभी माध्यमों को उन सभी प्रेरक स्थितियों को जिनके कारण वह इस तरह की रचनाएं कर सके ।

मुस्कुराता रूप तेरा की रचनाएं अलग—अलग रूप आकारो के लिए हुए नवीनता की ओर कवि के मंतव्य को अग्रसित करती है यहां पर कोई दोहराव नहीं है वरन गतिशीलता है निरंतर नए नए अलख जलाते हैं जो सुरेश पांडे की जीवन से जुड़ते हैं उनके जीवन यात्रा की एक सकार व सार्थक गवाह है जिसे शब्दों के रूप में व्यक्त किया गया है ।

डॉ जयशंकर शुक्ल के इस वक्तव्य से साफ स्पष्ट होता है कि सुरेश पांडे का गीतिकाव्य विभिन्न संदर्भों का एक ऐसा पुष्प गुच्छ है जिसमें नाना प्रकार के संदर्भ है और विषय जिसे सुरेश जी ने अपने प्रवासी जीवन के 40 वर्षों के अनुभव एवं विचारों को अपने लेखन में पिरोया और उसे लिपिबद्ध गीत काव्य में रच कर जन के बीच प्रस्तुत कर अपनी स्मृति संयोजन को आधार दिए हैं जो गीतिकाव्य की दुनिया में एक बड़ा संदर्भ है

आज हिंदी साहित्य में गीतिकाव्य परंपरा में जो काव्य रचना संदर्भ एक विशेष रूप में लिखा जा रहा है जहां कल्पना की अधिकता है लेकिन सुरेश पांडे ने अपने गीतिकाव्य के माध्यम से गीतिकाव्य के रचनाकारों को यह संदेश देने का प्रयास किया है कि यथार्थ और एहसास के द्वारा ही हम गीतिकाव्य को और पुख्ता कर जन के समझ प्रस्तुत कर सकते हैं मेरा मानना है कि सुरेश जी ने अपने जीवन के उन संदर्भों को भी अपने गीतिकाव्यों में उतारा है जिससे प्राय: हिंदी लेखक वास्तविक रूप में बचते हैं किंतु सुरेश पांडे ने अब तक अपने लेखन के सभी संदर्भों को वास्तविक रूप में व्यक्त किया है जो किसी भी रचनाकार की के लिए कठिन होता है सुरेश जी का मानना है जो रचनाकार वास्तविकता से दूर होगा वह अपनी रचना से न्याय नहीं करता है इसलिए उनकी रचना का संदर्भ अन्य रचनाकारों के अलग है और आज के समय में गीतिकाव्य परंपरा के सच्चे साधक है।—समीक्षक केएसएम पीजी कालेज बस्ती के प्राचार्य हैं।

श्रीलंका में चीन पोषित वंशवाद की परिणति

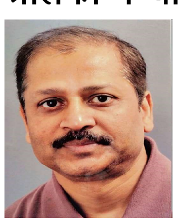

—पुष्परंजन—

श्रीलंका में दसवीं संसद के लिए मतदान गुरुवार को संपन्न हो गया। राष्ट्रपति अनुरा कुमारा दिसानायके के पदभार ग्रहण करने के बाद गठित होने वाली यह पहली संसद होगी। पिछला संसदीय चुनाव अगस्त, 2020 में आयोजित किया गया था, जब देश कोविड की चपेट में था। इस चुनाव में 196 सांसद मतपत्रों के द्वारा चुने जायेंगे, शेष 29 लोग राष्ट्रीय सूची में नामित किये जायेंगे। इस बार पंजीकृत राजनीतिक दलों का प्रतिनिधित्व करने वाले कुल 8821 उम्मीदवार हैं। जिनमें राजनीतिक दलों के 5,464 उम्मीदवार और स्वतंत्र समूहों का प्रतिनिधित्व करने वाले 3357 उम्मीदवार अपनी किस्मत आजमा रहे थे। सबसे अधिक 19 सांसद गम्पाहा जिले से और सबसे कम चार सदस्य त्रिंकोमाली जिले से चुने जाएंगे। प्रमुख उम्मीदवारों में पूर्व विपक्षी नेता साजिथ प्रेमदास और प्रधानमंत्री हरिनी अमरसूर्या शामिल हैं। पिछले कुछ दशकों से श्रीलंका की राजनीति पर हावी रहे राजपक्षे भाइयों में से कोई भी इस बार चुनाव नहीं लड़ रहा है। श्रीलंका की राजनीति के लिए यही सबसे बड़ी खबर है।

क्या श्रीलंका से 'डायनेस्टी पॉलिटिक्स' की विदाई हो गई? कम लोगों ने कल्पना की होगी, कि श्रीलंका की राजनीति से परिवारवाद की ऐसी विदाई होगी। एक ऐसा परिवारवाद, जिसे चीन का अभयदान मिला हुआ था। कई वर्षों तक महिंदा के नेतृत्व में राजपक्षे परिवार ने श्रीलंका की राजनीति पर अपनी पकड़ बनाए रखी। अपने पहले कार्यकाल में महिंदा राजपक्षे ने तमिल टाइगर विद्रोहियों के खूनी अंत का नेतृत्व किया था। उस फतह ने उन्हें द्वीप के बहुसंख्यक सिंहली लोगों के बीच एक राष्ट्रीय 'रक्षक' के रूप में स्थापित करने में मदद की। उनके उत्साही समर्थकों ने महिंदा राजपक्षे की तुलना एक चक्रवर्ती सम्राट से की थी।

महिंदा राजपक्षे जैसे—जैसे मजबूत होते गए, वैसे—वैसे उनका परिवार भी शक्तिशाली होता गया। उन्होंने अपने छोटे भाई, गोटाबाया को रक्षा मंत्री नियुक्त किया। आलोचकों का कहना है कि गोटाबाया ने इस पद को निर्दयतापूर्वक संभाला। दो अन्य भाई—बेसिल और चमल— क्रमशः वित्त मंत्री और संसदीय अध्यक्ष के पदों पर पहुंचे। बेटा नमल भी मंत्री बना। बाद में गोटाबाया ने 18 नवंबर, 2019 से श्रीलंका के आठवें राष्ट्रपति के रूप में कार्य किया। राजपक्षे परिवार ने सिंहली राष्ट्रवाद को आधार बनाकर अखंड राज किया। सिंहली राष्ट्रवाद का जलवा था, कि ये लोग वर्षों तक भ्रष्टाचार, आर्थिक कुशासन, मानवाधिकार हनन के आरोपों से बचे रहे।

लेकिन यह सब 2022 में बदल चुका था। बदतर आर्थिक संकट को ये संभाल नहीं पाए। पब्लिक सड़क पर उतर आई। सत्ता, सड़क से नियंत्रित हो रही थी। उन महीनों में सिंहली का लोकप्रिय शब्द 'अरागालय' (संघर्ष) का उदय हुआ। 13 जुलाई, 2022 को श्रीलंका के राष्ट्रपति के पैलेस में घुस आई भीड़ यह सुनिश्चित कर चुकी थी कि राजपक्षे परिवार खत्म हो गया। लेफ्टिस्ट 'जेवीपी' ने 'अरागालय' के जरिये पूरे देश में अपनी पैठ मजबूत कर ली। उसमें उत्तर और पूर्व के उन हिस्सों को छोड़कर, जहां तमिल बहुसंख्यक हैं। 'जेवीपी' ने इस बात पर जोर दिया कि आर्थिक समानता हासिल की जानी चाहिए, और देश के व्यापक भ्रष्टाचार और भ्रष्ट राजनीतिक खिलाड़ियों को खत्म किया जाना चाहिए।

लेकिन, तब भी परिवारवाद की जड़ें समाप्त नहीं हुई थी। श्रीलंका के राष्ट्रपति गोटाबाया राजपक्षे के देश छोड़कर सिंगापुर चले जाने, और वहीं से इस्तीफा भेज देने के बाद रनिल विक्रमसिंघे राष्ट्रपति बनाये गए, जो अप्रत्यक्ष रूप से राजपक्षे परिवार की मदद कर रहे थे। गोटाबाया राजपक्षे अपमानजनक प्रस्थान के सिर्फ 50 दिन बाद ही वापस श्रीलंका लौट आए। पहले सिंगापुर, और फिर थाईलैंड से वापस लौटने पर, उन्हें एक पूर्व राष्ट्रपति के विशेषाधिकार दिए गए रू एक आलीशान बंगला और सुरक्षा, जिसका सारा खर्च सरकार ने उठाया। इतनी मदद के बाद भी रनिल विक्रमसिंघे का भला राजपक्षे परिवार ने नहीं किया।

बिरसा मुंडा जयंती और आर्य अनार्य के विमर्श

— प्रवीण गुगनानी—

बिरसा मुंडा महान क्रांतिकारी थे, जनजातीय समाज को साथ लेकर उलगुलान किया था उन्होने। उलगुलान अर्थात हल्ला बोल, क्रांति का ही एक देशज नाम। वे एक महान संस्कृतिनिष्ठ समाज सुधारक भी थे, वे संगीतज्ञ भी थे जिन्होंने सूखे कद्दू से एक वाद्ध्ययंत्र का भी अविष्कार किया था जो अब भी बड़ा लोकप्रिय है। इसी वाद्ध्ययंत्र को बजाकर वे आत्मिक सुख प्राप्त करते थे व दलित, पीड़ित समाज को संगठित करने का कार्य भी करते थे। ठीक वैसे ही जैसे भगवान श्रीकृष्ण अपनी बंशी से स्वांतः सुख व समाज सुख दोनों ही साध लेते थे। सूखे कद्दू से बना यह वाद्ध्ययंत्र अब भी भारतीय संगीत जगत मे वनक्षेत्रों से लेकर बालीवूड तक बड़ी प्रमुखता से बनाया व बजाया जाता है। वस्तुतः बिरसा मुंडा की मूल कार्यशैली जनजातीय समाज को इसाइयों के धर्मांतरण से बचाने, अत्याचारों से समाज को बचाने, समाज मे व्याप्त कुरीतियों को समाप्त करने व शोषक वर्ग से समाज को बचाने की रही। भारतीय समाज का एक महत्वपूर्ण व अविभाज्य अंग रहा है जनजातीय समाज। मूलतः प्रकृति पूजक यह समाज सदा से भौतिकता, आधुनिकता व धनसंचय से दूर ही रहा है। बिरसा मुंडा भी मूलतः इसी जनजातीय समाज के थे। "अबुआ दिशोम रे अबुआ राज" अर्थात अपनी धरती अपना राज का नारा दिया था वीर बिरसा मुंडा ने।

वीर शिरोमणि बिरसा की जयंती के अवसर बिरसा के राष्ट्र हेतु प्राणोत्सर्ग करने की कहानी पढ़ने के साथ साथ यह भी स्मरण करने का अवसर है कि अब स्वतंत्र भारत मे अर्थात अबुआ दिशोम मे जनजातीय व वनवासी बंधुओं के साथ, उनकी संस्कृति के साथ क्या क्या षड्यंत्र हो रहे हैं?

तथ्य यह है कि भारत मे जनजातीय समाज व अन्य जातियों की आकर्षक विविधता को विघ्नसंतोषी विघटनकारियों ने आर्य—अनार्य का वितंडा बना दिया। कथित तौर पर आर्य कहे जाने वाले लोग भी भारत मे उतने ही प्राचीन हैं जितने कि अनार्य का दर्जा दे दिये गए जनजातीय समाज के लोग। वस्तुतः वनवासी समाज को अनार्य कहना ही एक अपशब्द की भांति है, क्योंकि आर्य का अर्थ होता है सभ्य व अनार्य का अर्थ होता है असभ्य। सच्चाई यह है कि भारत का यह वनवासी समाज पुरातन काल से ही सभ्यता, संस्कृति, कला, निर्माण, राजनीति, शासन व्यवस्था, उत्पादकता और सबसे बड़ी बात राष्ट्र व समाज को उपादेयता के विषय मे किसी भी शेष समाज के संग कदम से कदम मिलाकर चलता रहा है व अब भी चल रहा है।

यह तो अब सर्वविदित ही है कि इस्लाम व ईसाइयत दोनों ही विस्तारवादी धर्म हैं व अपने विस्तार हेतु इन्होने अपने धर्म के परिष्कार, परिशोधन के स्थान पर षड्यन्त्र, कुतर्क, कुचक्र व हिंसा का ही उपयोग किया है। अपने इसी लक्ष्य की पूर्ति हेतु पश्चिमी विद्वानों ने भारतीय जातियो मे विभेद उत्पन्न करना उत्पन्न किया व द्रविड़ों को भारत का मूलनिवासी व आर्यों को बाहरी आक्रमणकारी कहना प्रारंभ किया। ईसाइयों ने अपने धर्म की श्रेष्ठता सिद्ध करने हेतु इस प्रकार के षड्यन्त्र रचना सतत चालू रखे। विदेशियों ने ही भारत के इतिहास लेखन मे इस बात को दुराशय पूर्वक बोया कि आर्य विदेश से आई हुई एक जाति थी जिसने भारत के मूलनिवासी द्रविड़ समाज की सभ्यता को आक्रमण करके पहले नष्ट भ्रष्ट किया व उन्हे अपना गुलाम बनाया। जबकि यथार्थ है कि आर्य किसी जाति का नहीं बल्कि एक उपाधि का नाम था जो कि किसी विशिष्ट व्यक्ति को उसकी विशिष्ट योग्यताओं, अध्ययन या सिद्धि हेतु प्रदान की जाती थी। आर्य शब्द का सामान्य अर्थ होता है विशेष। पहले अंग्रेजों ने व स्वातंत्र्योत्तर काल मे अंग्रेजों द्वारा लादी गई शिक्षा पद्धति ने भारत मे लगभग छः दशकों तक इसी दूषित, अशुद्ध व दुराशयपूर्ण इतिहास का पठन पाठन चालू रखा।

भारत मे इसी दूषित शिक्षा पद्धति ने आर्यन इंवेजन थ्योरी की स्थापना की व सामाजिक विभेद के बीज लगातार बोये। जर्मनी में जन्में किंतु संस्कृत के ज्ञान के कारण अंग्रेजों द्वारा भारत बुलाये गए मेक्समूलर ने आर्यन इन्वेजन थ्योरी का अविष्कार किया। मेक्समूलर ने लिखा कि आर्य एक सुसंस्कृत, शिक्षित, बड़े विस्तृत धर्म ग्रन्थों वाली, स्वयं की लिपि व भाषा वाली घुमंतू किंतु समृद्ध जाति थी। इस प्रकार मैक्समूलर ने आर्य इंवेजन थ्योरी के सफेद झूठ का पौधा भारत मे बोया जिसे बाद मे अंग्रेजी शिक्षा पद्धति ने एक बड़ा वृक्ष बना दिया। यद्दिप बाद मे 1921 मे हड़प्पा व मोहनजोदाड़ो सभ्यता मिलने के बाद आर्यन थ्योरी को बड़ा धक्का लगा किंतु अंग्रेजों ने अपनी शिक्षा पद्धति, झूठे इतिहास लेखन व षड्यन्त्र के बल पर इस थ्योरी को जीवित रखा। सबसे बड़ी खेद की बात यह है कि अंग्रेजों के जाने के पश्चात भारत मे एक बड़ा वर्ग ऐसा जन्मा जो कहने को तो भारतीय संतति ही है किंतु उसकी मानसिकता भारत विरोधी है।

तेंदुए ने पांच वर्षीय मासूम को बनाया निवाला, मां–बाप के हाथों में टूटा दम

संवाददाता—बहराइच। तेंदुए ने पांच वर्षीय मासूम को निवाला बनाया। बच्चे ने मां–बाप के हाथों में दम तोड़ा तो वह बिलख उठे। हमले में एक अन्य किसान की हालत नाजुक बताई जा रही है। यूपी के बहराइच में कतर्नियाघाट वन्यजीव प्रभाग के कतर्नियाघाट वन रेंज में शुक्रवार की सुबह परिवार के साथ गन्ने के खेत में मौजूद अभिनंदन (5) पर तेंदुए ने हमला कर दिया। हमले में गंभीर रूप से घायल बालक को इलाज के लिए पीएचसी ले जाया गया, जहां उसकी मौत हो गई। वहीं तेंदुए ने ककरहा रेंज में बृहस्पतिवार की शाम घर लौट रहे रामराज (46) पर हमला कर उन्हें गंभीर रूप से घायल कर दिया। रामराज को इलाज के लिए सीएचसी ले जाया गया, जहां सुधार न होने पर चिकित्सकों ने उन्हें मेडिकल कॉलेज बहराइच रेफर कर दिया। अचानक बढ़े हमलों से ग्रामीणों में दहशत है।

कतर्नियाघाट वन रेंज के ग्राम पंचायत बाजपुर बनकटी के मजरा सीतारामपुरवा निवासी संदीप शुक्रवार की सुबह परिवार के साथ गन्ना काटने के लिए खेत गए थे। उनके साथ उनका पांच वर्षीय बेटा अभिनंदन भी गया था। संदीप जहां वह परिवार के साथ गन्ना काट रहे थे, वहीं अभिनंदन खेल रहा था। इस दौरान खेत से निकले तेंदुए ने अभिनंदन पर हमला कर दिया और उसे दबोच कर खेत में भाग गया। बालक की चीख सुन परिजन हांका लगाते हुए तेंदुए के पीछे भागे। तेंदुआ बालक को मुंह में दबोचकर गन्ने का खेत पार कर सरयू नहर की ओर चला गया। परिजनों ने लगातार पीछा करता देख तेंदुआ अभिनंदन को छोड़ कर भाग गया। गंभीर रूप से घायल बालक को लेकर परिजन निजी चिकित्सक के यहां पहुंचे। जहां प्राथमिक इलाज के बाद बालक को पीएचसी सुजौली भेज दिया गया। पीएचसी पर इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई। मौत के बाद परिजनों में कोहराम मच गया।

क्षेत्राधिकारी कतर्नियाघाट आशीष गौड़ ने बताया कि टीम के साथ मौके पर जाकर जांच पड़ताल की है और पीड़ित परिवार को पांच हजार रुपये की आर्थिक सहायता राशि दी गई है।

सूचना पर आई पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। ग्रामीणों ने पिंजरा लगवाने की मांग की है। एसडीएम संजय कुमार ने भी मौका मुआयना कर परिजनों से जानकारी ली और संभव मदद का वादा किया। कतर्नियाघाट वन्य जीव प्रभाग के ककरहा वन रेंज के ग्राम पंचायत मंझरा मिर्जवा निवासी रामराज (46) किसान हैं और गांव के बाहर किराने की छोटी सी गुमटी का भी चलाते हैं। बृहस्पतिवार की शाम वह गुमटी बंद कर घर लौट रहे थे। इस दौरान तेंदुए ने उन पर हमला कर दिया। चीख सुन दौड़े ग्रामीणों ने उन्हें बचाया और एंबुलेंस से सीएचसी मोतीपुर में भर्ती कराया। जहां उनका इलाज जारी है। वन क्षेत्राधिकारी डीपी कनौजिया ने अस्पताल पहुंच उनका हालचाल जाना और पांच हजार रुपये की सहायता राशि दी। सेहत में सुधार न होने पर उन्हें मेडिकल कॉलेज बहराइच रेफर कर दिया गया।

सिसवा में संदिग्ध परिस्थितियों में पंखे से लटकी हुई मिली विवाहिता, मौत

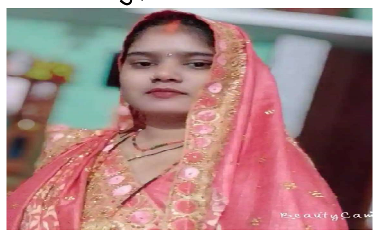

संवाददाता—महराजगंज। सिसवा के दीनदयाल उपाध्याय नगर सबयां दक्षिण टोला में एक विवाहिता दुपट्टे के सहारे पंखे में लटकी हुई मृत अवस्था में मिली। घटना कि जानकारी होते ही मौके पर पहुंची मुकामी पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पंचनामा भरकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। दीनदयाल उपाध्याय नगर सबयां दक्षिण टोला निवासी संतोष शर्मा के अनुसार उन्होंने धर्मपत्नी रागिनी शर्मा के साथ सुबह के समय बैठकर एक साथ चाय पी। इसी दौरान घर पर पहुंचे मित्रों के साथ निकल बातचीत में मशगूल हो गए। करीब आधे घंटे बाद जब वह वापस घर में पहुंचे तो नजारा देख उनके पैरों तले जमीन खिसक गई। पत्नी रागिनी कमरे में लगे पंखे में दुपट्टे के सहारे लटकी हुई थी।

इसके बाद वह चीखने–चिल्लाने लगे, उनकी आवाज सुन अगल बगल के लोग एकत्र हुए और घटना की जानकारी कोठीभार थाने पर दी। मौके पर पहुंची पुलिस टीम ने शव को नीचे उतरवाकर उसका पंचनामा भरा और शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। संतोष शर्मा ने बताया कि वह अपनी पत्नी के साथ गोवा में रहते थे और बीते दीवाली एवं छठ पर्व पर घर वापस लौटे थे।

प्रभारी निरीक्षक कोठीभार अखिलेश कुमार सिंह ने कहा, घटना की सूचना मिलते ही शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है। रिपोर्ट के आधार पर विधिक कार्रवाई की जाएगी।

अरदास कर श्रद्धापूर्वक मनाई गई गुरु नानक जयंती

संवाददाता—महराजगंज। सिखों के पहले गुरु नानक देवी का 555वां प्रकाशोत्सव शुक्रवार को धूमधाम से मनाया गया। नौतनवा व लक्ष्मीपुर में सिख समाज के लोगों ने अरदास कर गुरु की जयंती मनाई। गुरु की महिमा का बखान किया। नौतनवा स्थित गुरुद्वारा श्री गुरु सिंह सभा में प्रकाशोत्सव पर कीर्तन समागम हुआ। गुरु ग्रंथ साहिब की अगुवाई में पिछले 2 नवंबर से चल रहे अखण्ड लड़ी पाठ की समाप्ति हुई। शबद–कीर्तन दरबार सजा सिख समाज के लोगों ने जयंती को श्रद्धा पूर्वक मनाया। पर्व पर गुरुद्वारा को सुंदर तरीके से सजाया गया। सैकड़ों की संख्या में सिख समुदाय के बच्चे, बुजुर्ग, महिलाओं एवं पुरुषों सहित दूर दराज के संगतों ने शामिल होकर गुरु नानक देव के दरबार में श्रद्धापूर्वक मत्था टेका। अमृतसर से आये रागी जत्था भाई शमन दीप सिंह की टीम ने अपने भक्ति गीतों के माध्यम से समा बांध दिया। महिला टोली ने भी सत्संग व गुरबाणी का पाठ कर श्रोताओं को भाव विभोर कर दिया। अमृतसर से आये कथावाचक भाई गगन दीप सिंह ने कहा कि गुरु नानक देव जी ने सिर्फ सिख धर्म के लिए ही नहीं बल्कि हर कौम को मानवता का संदेश दिया। हजूरी रागी जत्था भाई दिग्म्बर सिंह एवं गियानी मोहन सिंह ने कहा कि गुरु नानक जी ने संदेश दिया है कि पूरी दुनिया एक नूर से उपजी है। इस दौरान ज्ञानी मोहन सिंह, गुरुद्वारा कमेटी के अध्यक्ष परमजीत, भाजपा नेता जितेंद्र जायसवाल, गौतम जोशी, सरदार रंजीत सिंह, बलजीत सिंह, सरदार मंजीत सिंह, सतनाम सिंह, मनप्रीत कौर, तेजेन्द्र कौर, गुरुप्रीत कौर, कवलजीत कौर, गुरुबचन सिंह, कुलदीप सिंह, अमरेंद्र सिंह, ननदेश शेरवानी, चरनप्रीत सिंह, बंटी सिंह, सतपाल सिंह, सिमरन कौर, सरदार अजीत सिंह, मनमीत सिंह, लक्की सिंह, सरदार सहेंद्र सिंह, मनजीत कौर, सरदार दलजीत सिंह सहित बड़ी संख्या में लोग मौजूद रहे। विधायक ऋषि त्रिपाठी ने गुरुद्वारा पहुंच आशीर्वाद प्राप्त किया। इस दौरान ब्लाक प्रमुख राकेश मद्धेशिया, नपा अध्यक्ष बृजेश मणि त्रिपाठी एवं नपा अध्यक्ष सोनौली हबीब खान ने भी गुरु ग्रंथ साहब के दरबार में मत्था टेक प्रार्थना की। गुरुद्वारा गुरू सिंह सभा लक्ष्मीपुर के तत्वावधान में प्रकाश पर्व धूमधाम से मनाया गया। सुबह से ही पुरुष, महिलाएं व बच्चे गुरुद्वारा जाकर मत्थाटेक कर प्रार्थना की। निशान साहब की सेवा की गयी। गुरु ग्रंथ साहिब को लेकर कीर्तन किया गया। गुरुद्वारा को झालर व फूलों से सजाया गया। महिलाओं द्वारा संगीतमयी गुरु की महिमा का बखान किया। गुरु ग्रंथ साहिब के अमृतवाणी से सराबोर रहा। सभी समुदाय के लोगों ने एक पंगत में बैठकर लंगर छका। इस दौरान भारी तादाद में लोग शामिल रहे।

कार्तिक पूर्णिमा पर हजारों भक्तों में किया गया प्रसाद वितरण

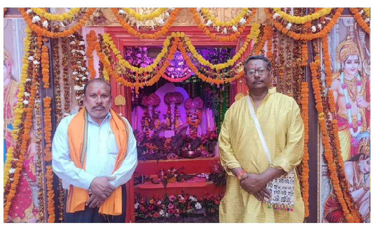

—भारतीय बस्ती संवाददाता—

अयोध्या। भगवान श्री राम की जन्मभूमि अयोध्या के श्री राम पर 1871 में बना श्री राम जानकी पटना मंदिर में कार्तिक पूर्णिमा के अवसर पर श्री राम जानकी पटना मंदिर ट्रस्ट के राष्ट्रीय अध्यक्ष राकेश शरण के संयोजन में ठाकुर जी के वृहद पूजा का आयोजन किया गया जिसमें ठाकुर जी के गर्भगृह को फूल बंगले से सजाया गया सुंदरकांड का पाठ के साथ हवन पूजन हुआ और संतों महंतों और भक्तों का वृहद भण्डारा किया गया, कार्तिक पूर्णिमा मेले में आए हजारों भक्तों को भी प्रसाद वितरण किया गया बड़ी श्रद्धा के साथ भक्तों ने ठाकुर जी का प्रसाद पाया।

ट्रस्ट के अध्यक्ष राकेश शरण ने बताया कि अयोध्या के प्राचीनतम मंदिरों में से एक है श्री राम जानकी पटना मंदिर, मंदिर के ट्रस्टी गणों ने यह निर्णय लिया कि मंदिर बहुत पुराना हो गया है इसका जीरो द्धार कराया जाए, इसी क्रम में कार्तिक पूर्णिमा के ठाकुर जी का वृहद पूजन किया गया और कार्तिक पूर्णिमा के अवसर पर अयोध्या में आए भक्तों के लिए वृहद भंडारे का आयोजन किया गया जिसमें हजारों की संख्या में अयोध्या में आये भक्तों ने प्रसाद पाया। उन्होंने बताया इस मंदिर से बिहार झारखंड के लाखों भक्त जुड़े हुए हैं और प्राण प्रतिष्ठा के बाद अयोध्या ही नहीं बल्कि भारत में रहने वाले प्रत्येक भक्त की इच्छा है की रामलला का दर्शन करें। अयोध्या में भक्तों की बढ़ती संख्या को देखते हुए और मंदिर से जुड़े भक्तों के कहने पर ट्रस्ट ने निर्णय लिया मंदिर को नए तरीके से बनाया जाए जिससे अधिक से अधिक संख्या में भक्ति मंदिर में आकर सेवा भाव से रुके अयोध्या में दर्शन पूजन करें। उन्होंने बताया कि पुराने तरीके से बना था नए तरीके से बने जगह अधिक निकलेगी और अधिक से अधिक भक्तों की सेवा मंदिर में हो सकेगी। उन्होंने बताया नए मंदिर का मॉडल तैयार किया और उसको बनाया जाएगा ठाकुर जी की पूजा मंदिर परिसर में ही अस्थाई मंदिर बनाकर के किया जाएगा। इस अवसर पर हनुमानगढ़ी के राजेश पहलवान, भाजपा नेता इंद्र प्रताप तिवारी खब्बू, अतुल सिंह, संजय सिंह सहित बिहार से आए सैकड़ों भक्त एवं संत महंत उपस्थित रहे।

हत्या की घटना का खुलासा नहीं होने पर होगा थाने का घेराव

संवाददाता—देवरिया। सलेमपुर के सपा सांसद रमाशंकर राजभर ने शुक्रवार को लार पहुंच कर व्यापारी के घर हुई लूट के बाद हुए हत्या की घटना की जानकारी ली। उन्होंने पीडित परिजनों को ढांढस बधाया और घटना का जल्द खुलासा कराने का सांत्वना दिया। वहीं पुलिस के ऊपर गंभीर आरोप लगाए। उन्होंने कहा कि जिले में पुलिस का इकबाल खत्म हो गया है। यदि एक सप्ताह के अंदर इस घटना का खुलासा नहीं हुआ तो वे पार्टी कार्यकर्ताओं और व्यापारियों के साथ लार थाने का घेराव करेंगे।

नगर पंचायत लार के शास्त्री नगर कोईरी टोला में 13 नवंबर को दिनदहाड़े घर में घुस कर व्यवसाई घनश्याम गुप्ता की पत्नी चंद्रावती देवी की हत्या कर बदमाशों ने करीब 35 लाख रुपए की लूट की घटना को अंजाम दिया था। इस घटना के बाद से ही लोगों में काफी आक्रोश है। शुक्रवार को पीडिध्त परिजनों से मिलने पहुंचे सांसद ने कहा कि इतने व्यस्ततम इलाके में कोई मकान में भी सुरक्षित नहीं है तो इससे पुलिसिया इकबाल खत्म होता नजर आ रहा है। जिले में पुलिस सुस्त है अपराधी मस्त हैं। सांसद ने कहा कि उन्होंने इस मामले को लेकर पुलिस अधीक्षक से भी बात किया है। एक हप्ते के अंदर अगर घटना का पर्दाफाश नहीं होता है तो मजबूरी में आंदोलन का रास्ता अपनाना पड़ेगा। उन्होंने मांग किया कि घटना का पर्दाफाश करके पुलिस प्रशासन अपना इकबाल कायम करें नहीं तो एक हप्ते के बाद लार थाने का हम सभी घेराव करेंगे। इस दौरान रामप्रकाश यादव मुन्ना, महफूज लारी, आलिम लारी, दीनदयाल प्रसाद, बदरे आलम, सूचन खान, राजन सिंह, प्रधान दुष्यंत राजभर, पवन यादव आदि सपा कार्यकर्ता मौजूद रहे।

ठंड की दस्तक से सर्दी–जुकाम और बुखार पीड़ितों से पट गया अस्पताल

संवाददाता—महराजगंज। ठंड की दस्तक से लोगों का स्वास्थ्य तेजी से प्रभावित हो रहा है। लोग बहुत जल्द सर्दी–जुकाम और बुखार से पीड़ित हो रहे हैं। इसकी तस्दीक जिला अस्पताल पहुंचे मरीज कर रहे हैं। गुरुवार को अस्पताल खुलते ही मरीजों से पट गया। अपराह्न दो बजे तक 1158 मरीज इलाज के लिए पहुंचे थे। इसमें सर्दी–जुकाम व बुखार से 542 पीड़ित शामिल हैं। करीब एक सप्ताह से ठंड ने अहसास कराना शुरू कर दिया है। सुबह में कुहासा और आधी रात बाद ठंड पड़ रहा है। बदले इस मौसम से लोग सर्दी–जुकाम के साथ बुखार के चपेट में आ रहे हैं। गुरुवार को जिला अस्पताल पहुंचे 1158 मरीजों में 542 सर्दी–जुकाम व बुखार से पीड़ित शामिल रहे। प्राथमिक इलाज के बाद हालत सामान्य होने पर 523 पीड़ितों को घर भेज दिया गया। लेकिन बीमारी से गंभीर 19 पीड़ितों को भर्ती करना पड़ा। इसमें सबसे अधिक दस मासूम शामिल हैं।

जिला अस्पताल के सीएमएस डॉक्टर एपी भार्गव ने कहा, ठंड से सर्दी–जुकाम व बुखार पीड़ितों में इजाफा हो गया है। दवा स्टाक करने के साथ ही वार्ड में भर्ती मरीजों की बेहतर देखभाल की सलाह दी गई है। वार्ड में भर्ती मरीजों के इलाज की मानिटरिंग हर रोज किया जा रहा है। जिला अस्पताल में बीमारी से गंभीर मासूमों को त्वरित इलाज देने के लिए 31 बेड का आईसीयू वार्ड संचालित है। 5 बेड वाले कक्ष को इंसेफेलाइटिस मरीजों के लिए सुरक्षित कर दिया गया है। दस मासूम एक साथ भर्ती होने से वार्ड ओवरलोड हो गया। 26 बेड पर 33 मासूम भर्ती हैं। इनमें 22 मासूम सर्दी–जुकाम के साथ बुखार से पीड़ित शामिल हैं। जिला अस्पताल पहुंचे मरीजों में 145 पीड़ितों को पैथॉलोजी जांच की सलाह दी गई है। इनमें सबसे अधिक 85 पीड़ितों को बुखार की जांच की सलाह दी गई है।

अनुयायियों से गुलजार रही बौद्ध तपोस्थली, थाईलैंड के दल ने रीति रिवाज से की वर्षावास समापन पूजन

संवाददाता—श्रावस्ती। बौद्ध तपोस्थली श्रावस्ती शुक्रवार को बौद्ध अनुयायियों से गुलजार रही। थाईलैंड से आए 150 सदस्यीय दल ने अपने रीति रिवाज से जेतवन परिसर में वर्षावास समापन पूजन किया। इस दौरान उन्हें धार्मिक उपदेश भी दिया गया। बाद में दल के सदस्यों ने तपोस्थली के विभिन्न मोमेंटों का भ्रमण भी किया। तपोस्थली जेतवन परिसर पर थाईलैंड से आए 150 सदस्यीय दल ने वर्षावास पूजा किया। इस दौरान दल के सदस्यों ने विश्व शांति के लिए प्रार्थना की। इस दौरान बौद्ध भिक्षु श्रद्धा लाक महाथेरो ने कहा कि भगवान बुद्ध आज भी दुनिया के लिए एक रहस्य हैं। बुद्ध ने चेतना के जिस शिखर को छुआ है, वैसा किसी और ने नहीं छुआ। बुद्ध ने अपना पूरा जीवन सत्य की खोज और निर्वाण को पा लेने में ही लगाया। उन्होंने मानव मनोविज्ञान और दुख के हर पहलू पर कहा और उसके समाधान भी बताए। यह रिकॉर्ड है कि बुद्ध ने जितना कहा और जितना समझाया उतना किसी और ने नहीं। पूजन के उपरांत सभी उपासकों ने जेतवन, शिवली स्तूप, कौशांबी कुटी, सभामंडप, गंध कुटी, सूर्य कुंड, पूर्वा राम विहार, अंगुलिमाल स्तूप आदि का भ्रमण कर उसकी ऐतिहासिक जानकारी प्राप्त किया। इस मौके पर बौद्ध भिक्षु सुख सागर, नागलोक, ज्ञान सागर, नाग ज्योति, बुद्ध रत्न आदि मौजूद रहे।

भाजपा की कार्यशाला में सक्रिय सदस्यों की संख्या बढ़ने पर जोर

संवाददाता—देवरिया। भारतीय जनता पार्टी मंडल सलेमपुर की संगठन के चुनाव को लेकर शुक्रवार को तहसील सभागार में मंडल अध्यक्ष अमरनाथ यादव की अध्यक्षता में कार्यशाला हुई। मुख्य अतिथि सलेमपुर के संगठन चुनाव प्रमुख राजकुमार शाही एवं विशिष्ट अतिथि जिला महामंत्री श्रीनिवास मणि त्रिपाठी रहे। संगठन चुनाव प्रमुख राजकुमार शाही ने कहा कि सभी शक्ति संयोजकों को बूथ अध्यक्ष चुनने की जिम्मेदारी दी गई है। उन्होंने हर पदाधिकारी को सक्रिय सदस्यों की पार्टी से जोड़ कर संख्या बढ़ने पर जोर दिया। सभी पदाधिकारियों को समस्त कार्य करते हुए अपने बूथों का भ्रमण करते हुए अधिक से अधिक लोगों को पार्टी से जोड़े। श्रीनिवास मणि त्रिपाठी ने पदाधिकारियों को भारतीय जनता पार्टी में जोड़ते हुए सक्रिय सदस्य बनाएं जाने की अपील किया। उन्होंने कहा कि जिन्हें भी जो जिम्मेदारी दी गई है वह 25 नवंबर तक पूर्ण कर लें। इस दौरान जिला मंत्री अभिषेक जायसवाल, अमित सिंह बबलू, पुनीत यादव, अमित यादव, बृजेश उपाध्याय, ओमप्रकाश यादव, राजीव मिश्र, रविशंकर मिश्र, कृष्णकांत तिवारी, रविंद्र नाथ श्रीवास्तव, विनय तिवारी, कन्हैया जायसवाल, माया जायसवाल, शेषनाथ भाई, रामजी सिंह आदि पदाधिकारी मौजूद रहे।

सीसीटीवी फुटेज के सहारे बदमाश तक पहुंचने की जुगत में पुलिस

संवाददाता—गोण्डा। खोड़ारे थानाक्षेत्र के घारीघाट स्थित नायरा पेट्रोल पंप के पास हुई दम्पति से लूट की घटना में चौबीस घंटे बाद भी पुलिस अभी तक लकीर ही पीट रही है। घटना के बाद पुलिस वाहनों की तलाशी व सीसीटीवी खंगालने में जुटी हुई है। पीड़ित की तहरीर पर मुकदमा दर्ज कर लिया गया है। घटना को लेकर लोग तरह–तरह की चर्चा कर रहे हैं। गुरूवार की शाम को बेटे की शादी में जेवरात खरीद कर वापस लौट रहे दंपति से गहनों से भरा बैग थाने से महज आठ सौ मीटर की दूरी पर खोड़ारे बभनान मार्ग पर घारीघाट स्थित पेट्रोल पंप के पास एक बाइक सवार बदमाश छीनकर भाग गया था। जिसमें पीड़ित मनोज तिवारी निवासी फतेहपुर थाना खोड़ारे की तहरीर पर देर रात पुलिस मुकदमा दर्ज कर कार्रवाई में जुट गई है। पीड़ित के मुताबिक वह अपने बेटे की शादी में जेवरात खरीदने के लिए बस्ती जिले के हड़िया बाजार गया था, जहां से जेवरात खरीद कर रास्ते में स्थित अपने ससुराल तिवारी गंज त्रिलोकपुर गया और वहां पहले से रखा जेवर भी अपने साथ लेकर वापस घर आ रहा था। इसी दौरान घर पहुंचने से तीन किलोमीटर पहले ही खोड़ारे थाने के करीब ही पीछे से बाइक सवार हेलमेट लगाए हुए एक बदमाश ने बाइक को पैर से ढकेल दिया और सड़क पर गिरते ही पत्नी के हाथ से करीब पांच लाख के सोने व चांदी के जेवर रखे बैग को छीनकर भाग निकला। घटना से पुलिस थाने में मचा रहा हड़कंप रुथाने से महज कुछ ही दूरी पर हुई लूट की घटना से जहां इलाके में सनसनी फैल गई तो वहीं घटना की जानकारी थाने में पहुंचते ही पुलिस कर्मियों में भी हड़कंप मच गया। आनन–फानन में थानाध्यक्ष एसके राणा पूरी टीम के साथ घटनास्थल पर पहुंच गए। यही नहीं सूचना मिलते सीओ मनकापुर आरके सिंह ने पहुंचकर घटनास्थल का निरीक्षण कर पीड़ित से जानकारी लिया। इस दौरान पुलिस की कई टीमें अलग–अलग रास्तों पर बैरिकेडिंग कर वाहनो की सघन तलाशी में जुट गई है।

पुलिस देर रात तक रास्तो में लगे सीसीटीवी फुटेज से बदमाश को तलाशने में जुटी रही। एसओ एसके राणा ने बताया कि मुकदमा दर्ज कर लिया गया और जांच की जा रही है। सर्राफा की दुकान से भी मंगवाया पुलिस ने फुटेजरू जेवरात लूट मामले में बदमाश के सुरागरशी के लिए खोड़ारे पुलिस ने दम्पति के जेवर खरीदने के समय का सीसीटीवी फुटेज को दुकानदार से मंगवाया है।

कार्तिक पूर्णिमा पर श्रद्धालुओं ने लगाई आस्था की डुबकी

संवाददाता—गोण्डा। कार्तिक पूर्णिमा पर शुक्रवार भोर में सरयू, घाघरा, मनवर समेत कई नदियों व पौराणिक महत्व वाले पोखरों में लोगों ने आस्था के साथ डुबकी लगाई। श्रद्धालुओं ने स्नान करने के बाद पूजन – अर्चन किया और अपनी शक्ति के अनुसार दान भी किया। इस दौरान कई जगह नदियों व पोखरों के तट पर मेले का भी आयोजन किया गया, जिसमें महिलाओं व बच्चों ने जमकर खरीददारी की। मेले में सुरक्षा को लेकर पुलिस भी मुस्तैद नजर आई।

करनैलगंज में सरयू घाट पर देर शाम तक चला स्नान – दान का सिलसिला रू शुक्रवार को कार्तिक पूर्णिमा के अवसर पर कटरा घाट स्थित सरयू नदी के पावन तट पर भोर से शुरू हुआ स्नान दान का सिलसिला देर शाम तक चलता रहा। सरयू नदी में लाखों श्रद्धालुओं ने आस्था की डुबकी लगाई। तहसील क्षेत्र के कटरा शहबाजपुर घाट, सकरौरा घाट, कचनापुर घाट, यमदुतिया घाट, भौरीगंज घाट एवं पसका त्रिमुहानी घाट पर भी बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने स्नान ध्यान कर मेले का लुत्फ उठाया। इन स्थानों पर लगने वाले मेलों में अव्यवस्था का बोलबाला दिखा। स्नान व मेले में भीड़ के चलते गोंडा–लखनऊ मार्ग पर पूरे दिन जाम जैसी स्थिति बनी रही। करीब चार किलोमीटर तक वाहन रेंगते रहे। भोर से ही जाम हटवाने के लिए पुलिस को कड़ी मशक्कत करनी पड़ी। जयप्रभाग्राम में संझवल हनुमान मंदिर पर लगा मेला रू कार्तिक पूर्णिमा पर शुक्रवार को संझवल स्थित धुसवा हनुमान मंदिर पर भव्य मेले का आयोजन हुआ।जिसमें बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने सरोवर में स्नान कर हनुमान मंदिर में पूजा अर्चन किया। गोंडा बलरामपुर मार्ग पर संझवल सरोवर पर गुरुवार रात से दुकानदारों के साथ ही श्रद्धालुओं का पहुंचना शुरू हो गया था। मेला समिति के दीप नारायण तिवारी,ओम प्रकाश तिवारी, शिवा कांत,राम कुमार आदि लोगों ने बताया कि वर्षों से कार्तिक पूर्णिमा के अवसर पर मेले का आयोजन होता चला आ रहा है। खरगूपुर थाना प्रभारी कलाकांत तिवारी जानकीनगर चौकी प्रभारी शेष नाथ पांडेय व पुरुष व महिला सिपाही मेले को शांतिपूर्ण माहौल में संपन्न करने के लिए तैनात रहे। गोडवाघाट पर उमड़े श्रद्धालु रू शहर से सटे बनघुसरा ग्राम पंचायत गोडवाघाट स्थित टेढ़ी नदी किनारे कार्तिक पूर्णिमा पर मेला लगा । मेला आयोजक शशिराज पांडेय ने बताया कि उनके पिता वेंकटेश्वर दत्त पांडेय के समय से यहां पर मेला लगता है। मेले में विभिन्न प्रकार की दुकान लगाई गई है। आस पास के गांव के लोग भी देशी सामानों की दुकान लगी है। सुबह लोगों ने स्नान कर दान – पुण्य किया। मोतीगंज में राजगढ़ तिर्रे मनोरमा तट पर उमड़े लोग रू कार्तिक पूर्णिमा के दिन कस्बे के राजगढ़ बाजार में तिर्रे मनोरमा नदी के तट पर मेले में बड़ी संख्या में लोग पहुंचे।

कार्तिक पूर्णिमा पर राप्ती में पवित्र स्नान,जगह जगह लगे मेले

संवाददाता—श्रावस्ती। कार्तिक पूर्णिमा पर देव दीपावली का त्योहार धूमधाम से मनाया गया। सुबह से ही राप्ती नदी के पवित्र जल में स्नान किया गया और सीताद्वार के पवित्र झील में लोगों ने डुबकी लगाई। जगह जगह मेला का आयोजन किया गया। इसमें हजारों की भीड़ जुटी। भिनगा के करीब कार्तिक पूर्णिमा पर मेला लगा, जहां हजारों की भीड़ जुटी। इसी तरह गिलौला के प्रहलादा बाबा कुटी, सोनवा तालाब आदि स्थानों पर मेला लगा। सिरसिया के जनकपुर में भी विशाल मेले का आयोजन किया गया। कार्तिक पूर्णिमा पर सीताद्वार में विशाल मेले का आयोजन किया गया। शुक्रवार भोर से माता सीता जी के मंदिर में श्रद्धालुओं की ओर से प्रसाद चढ़ाने के लिए भारी भीड़ लग गई। पुलिस प्रशासन ने लगे अधिकारी व आरक्षियों ने श्रद्धालुओं को लाइन लगवा कर प्रसाद चढ़वाया गया। इस दौरान श्रद्धालुओं ने सीता सरोवर झील में सुबह से ही डुबकी लगाई। मेले में मनोरंजन के लिए बच्चों को चरखी, झूला ,काला जादू के स्टाल लगाए गए । मेले को शांति पूर्ण तरीके से संपन्न कराने के लिए पुलिस प्रशासन ने सीता सरोवर झील, सीता माता मंदिर, प्रमुख मार्गो से आने वाले रास्तों पर बैरीकेटिंग बैरियर लगाकर वाहनों का प्रवेश वर्जित किया गया था। मेले में सादी वर्दी में पुलिस भ्रमण कर रही थी। अपर पुलिस अधीक्षक प्रवीण कुमार यादव, क्षेत्राधिकारी सतीश कुमार,प्रशिक्षु क्षेत्राधिकारी आलोक कुमार,प्रभारी निरीक्षक अश्विनी कुमार दुबे मय पुलिस फोर्स के साथ मेला क्षेत्र का भ्रमण करते रहे। इस दौरान मेला में स्वास्थ्य विभाग ने कैंप लगाकर चिकित्सा अधिकारी अनिल कुमार त्रिपाठी दवाओं का वितरण करते रहे। मेले के पहले दिन बच्चों के मनोरंजन के झूला, काला जादू, रेलगाड़ी आदि के लिए काफी भीड़ इकठ्ठी रही। सीताद्वार में तीन दिनों तक मेला लगेगा।

कार्तिक पूर्णिमा के शुभ अवसर पर क्षेत्र के लोगों में अद्भुत उत्साह देखा गया। सूर्योदय से पहले ही श्रद्धालु राप्ती नदी किनारे पहुंचने लगे। लोगों ने पवित्र स्नान कर भगवान की पूजा–अर्चना की और अपने परिवार की सुख–समृद्धि की कामना की। कथरा, फतेहपुर बनगई, और अन्य स्थानों पर लगे मेले विशेष आकर्षण का केंद्र रहे। मेले में बच्चों के लिए झूले, खाने–पीने के स्टॉल और मनोरंजन के कार्यक्रम आयोजित किए गए थे। स्थानीय हस्तशिल्प और उत्पादों की दुकानों पर भीड़ देखी गई। श्रद्धालुओं ने मेले का आनंद लेते हुए पारंपरिक मिठाइयों का स्वाद लिया।

बच्चों के साथ डांडिया नृत्य पर झूमें अभिभावक

संवाददाता—गोण्डा। सेठ एमआर जयपुरिया स्कूल में ला फिएस्टा का आयोजन भव्यता के साथ किया गया। विद्यालय परिसर को खूबसूरती से सजाया गया था। कार्यक्रम का आरंभ रिबन काटने से हुआ और छात्रों ने डांडिया नृत्य प्रस्तुत किया। सेठ एमआर जयपुरिया स्कूल में ला फिएस्टा का भव्य आयोजन किया गया। विद्यालय परिसर को बहुत ही खूबसूरती के साथ सजाया गया था । कार्यक्रम का आगाज रिबन कटवाने से हुआ। स्कूल के छात्र–छात्राओं ने डांडिया का कार्यक्रम प्रस्तुत किया जिसने सभी को झूमने पर मजबूर कर दिया। इसके बाद जो नृत्य का सिलसिला शुरू हुआ उसकी तो बात ही निराली थी। अभिभावकों ने भी इसमें बढ़–चढ़ कर भाग लिया और पुरस्कार भी जीते। अभिभावकों के लिए बेस्ट डांसर व बेस्ट परिधान की भी प्रतियोगिता रखी गई थी। लकी ड्रॉ के विजेताओं को पुरस्कार प्रदान किए गए। कार्यक्रम में बहुत से मनोरंजन के साथ–साथ विद्यार्थियों के लिए विभिन्न खेलों के स्टॉल भी लगाए गए थे। तरह–तरह के व्यंजनों की खुशबू से पूरा परिसर महक रहा था। विद्यालय के डायरेक्टर प्रदीप गुप्ता, अशोक गुप्ता, रिंकी गुप्ता, इंदु गुप्ता, साक्षी गुप्ता व विद्यालय की प्राचार्या सुप्रिया शर्मा ने कार्यक्रम में शिरकत की । कार्यक्रम आयोजन को सफल बनाने में एडमिन ऑफिसर नरेन्द्र मिश्रा का योगदान रहा।

सपा ने चलवाई थी रामभक्तों पर गोलियां, जो राम का सम्मान न करे उसे छोड़ देना चाहिए - सीएम योगी

संवाददाता–अम्बेडकरनगर। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने शुक्रवार को कटेहरी विधानसभा सीट पर भाजपा प्रत्याशी धर्मराज निषाद के लिए जनसभा को संबोधित किया। इस दौरान उन्होंने सपा और कांग्रेस को निशाने पर रखा। उन्होंने कहा कि सपा के लोग वही हैं जिन्होंने अयोध्या में रामभक्तों पर गोलियां चलवाई थीं। भगवान राम का सम्मान न करने वालों को छोड़ दिया जाना चाहिए।

उन्होंने कहा कि बीते 10 वर्षों में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में ऐसी सरकार है जो लगातार विकास कर रही है। दूसरी तरफ राष्ट्रीय सुरक्षा के साथ खिलवाड़ करने वाले लोग हैं। आतंकी घटना के बाद भी पहले पाकिस्तान से संबंध खराब न होने पर ध्यान दिया जाता था। अब स्थिति बदली है। अब नया भारत है। अगर कोई छेड़ता नहीं तो अब उसे छोड़ता नहीं है। उन्होंने कांग्रेस पर हमलावर होते हुए कहा कि कांग्रेस अब एक बार फिर कश्मीर में धारा 370 लाने की बात कर रही है जबकि हम आतंकवाद खत्म कर विकसित भारत बनाने की तरफ बढ़ रहे हैं। सपा के गुंडों ने अयोध्या में बेटी के साथ क्या किया सबको पता है।

मुख्यमंत्री योगी ने कहा कि भाजपा राज में सभी को बिना भेदभाव सरकारी योजनाओं का लाभ मिला है। सपा–कांग्रेस के लोग जनता को गुमराह करते हैं। यह बेटी और व्यापारी की सुरक्षा में सेंध लगाने वाले लोग हैं। जिले का माफिया खान मुबारक और अतीक अहमद ही इनकी विरासत है। सपा लोहिया के आदर्शों से भटक गई है। उन्होंने जनता को 20 नवंबर को पहले मतदान और फिर जलपान करने का मंत्र दिया।

कार्तिक पूर्णिमा, राप्ती तट पर उमड़ा आस्था का सागर

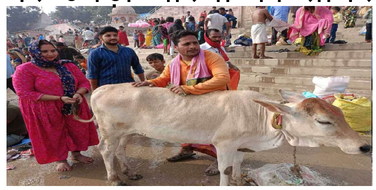

संवाददाता–गोरखपुर। शुक्रवार की भोर से ही राप्ती नदी के तट पर आस्था का सागर उमड़ पड़ा। कार्तिक पूर्णिमा के पावन पर्व पर हाथों में पूजन–सामग्री और मन में श्रद्धा लिए लोग डुबकी लगाकर पुण्य अर्जित करने में मग्न हो गए।

सुबह की पहली किरणों के साथ ही भक्तों का कारवां राप्ती, रोहिन और सरयू के तटों की ओर बढ़ने लगा। कुछ ने भगवान सत्यनारायण की कथा सुनने के लिए व्रत रखा तो कुछ ने गोदान कर अपने धर्म–कर्म का सुफल संजोया। राप्ती नदी के तट का माहौल देखते ही बनता था, हर ओर रंग–बिरंगी सजी दुकानें, खेलते बच्चे, और प्रसाद चढ़ाते श्रद्धालु। ऐसा लगा मानो पूरी श्रद्धा सजीव हो उठी हो।

श्रद्धालु बिना किसी परेशानी के पर्व का आनंद ले सके इसके लिए बैरिकेडिंग और अन्य सुरक्षा व्यवस्था की गई थी। घाट का पूरा नजारा एक हर्षोल्लास भरे मेले जैसा था, जहां हर चेहरा प्रसन्न और हर मन संतुष्ट दिखा।

सड़क हादसे में दो युवतियों समेत तीन की मौत और 15 घायल

संवाददाता–अयोध्या। अयोध्या–लखनऊ हाइवे पर हुए भीषण सड़क हादसे में तीन लोगों की मौत हो गई जबकि 15 यात्री घायल हो गए। घायलों में दो की हालत गंभीर है। अयोध्या जिले की रुदौली कोतवाली के भेलसर पुलिस चौकी के अंतर्गत राष्ट्रीय राजमार्ग पर ग्राम कुढ़ासादात कट से ट्रेला मोड़ने के दौरान तीन वाहनों की भीषण टक्कर हो गई। इसमें दो महिलाओं सहित तीन लोगों की मौत हो गई जबकि 15 लोग घायल हो गए। शुक्रवार की सुबह लगभग 5.30 बजे राष्ट्रीय राजमार्ग पर ग्राम कुढ़ासादात के पास बने कट से ट्रेलर अयोध्या की ओर मोड़ने के दौरान लखनऊ से अयोध्या की ओर जा रही कार चालक ने कार को रोकने का प्रयास किया। उसी के पीछे टेंपो ट्रैवलर ने जोरदार टक्कर मार दी। कार, ट्रेलर में जा घुसी। तीनों वाहन आपस में टकरा गए। ग्रामीणों ने भीषण सड़क हादसे की जानकारी रुदौली पुलिस को दी। मौके पर रुदौली कोतवाली प्रभारी संजय मौर्य व भेलसर चौकी प्रभारी मनीष चतुर्वेदी पहुंच गए। तब तक कार चला रहे हुसैन (30) पुत्र अलीरजा निवासी ग्राम सेमरी थाना रामपुर कारखाना, जनपद देवरिया, कार में सवार रचना (25) पुत्री धर्मवीर निवासी मरुआ मढ़हा, उमर्दा, जनपद कन्नौज, उपासना (24) पुत्री राकेश सिंह निवासी भदुरिया लोहागढ़, जनपद कन्नौज की मौके पर मौत हो गई। कार में सवार गंभीर रूप से घायल स्नेहा व नीतू सहित टेंपो ट्रैवलर में सवार डेढ़ दर्जन घायलों को एम्बुलेंस से सीएचसी रूदौली में उपचार के लिए भर्ती कराया गया। चिकित्सकों ने कार सवार स्नेहा व नीतू की हालत चिंताजनक देख ट्रामा सेंटर, अयोध्या रेफर कर दिया। तीनों शवों को कब्जे में लेकर पुलिस ने कार्रवाई की है।

राम के रंग में रमे अमेरिका के क्ले: बोले-राम भक्ति से मिल रही आत्मिक शांति, मौका मिला तो बार-बार आएंगे अयोध्या

संवाददाता–अयोध्या। रामनगरी अयोध्या में आठ दिनों से रह रहे अमेरिका के क्ले अब राम के रंग में रम गए हैं। सुबह से ही विभिन्न मंदिरों में दर्शन–पूजन के साथ राम नाम का जाप शुरू कर देते हैं। अमर उजाला से बात करते हुए क्ले ने कहा कि वाराणसी के बाद अयोध्या आना हुआ है। हर मंदिर के आकर्षण और ऊर्जा को महसूस करना चाहता हूं। इसके लिए सुबह से ही एक हाथ में डंडा और दूसरे हाथ में माला लेकर जाप कर रहा हूं। कहा कि डंडा हाथ में अपने बचाव के लिए और माला भगवान को याद करने के लिए है। मन में श्रद्धा हो तो जीवन में आनंद ही आनंद है। भारतीय संस्कृति और आध्यात्मिकता से पूरी तरह अभिभूत हूं। अयोध्या में उन्हें राम की भक्ति से आत्मिक शांति का अहसास हो रहा है। जब भी फिर से मौका मिला तो अयोध्या जरूर आएंगे।

क्ले का कहना है कि यहां के धार्मिक स्थलों की शांति उन्हें प्रेरणा दे रही है। जगह–जगह मंदिरों में हो रहे राम नाम के भजन को उन्होंने सुना। हनुमानगढ़ी, रामलला के भी दर्शन किए। अयोध्या की गली में जब मंदिर से निकल कर वह कनक भवन जा रहे थे तो ईरिक्शा पर सवार भक्त अर्जुन विश्वकर्मा ने क्ले से पूछना चाहा कि वह कहां के हैं? इस पर उन्होंने माला की ओर इशारा किया। माला का 108 चक्र होने एक बाद ही प्रश्न का जवाब दिया।

पोस्टर प्रतियोगिता में दीप शिखा ने हासिल किया प्रथम स्थान

संवाददाता–सिद्धार्थनगर। सड़क सुरक्षा अभियान के तहत जनपद स्तरीय पोस्टर व क्विज प्रतियोगिता में डुमरियागंज क्षेत्र के चौखड़ा स्थित राजकीय महाविद्यालय के छात्रों का बेहतर प्रदर्शन रहा। पोस्टर प्रतियोगिता में महाविद्यालय की छात्रा दीप शिखा कसौधन ने प्रथम स्थान हासिल किया है। महाविद्यालय के असि. प्रो. व सड़क सुरक्षा कार्यक्रम प्रभारी अजय कुमार ने बताया कि महाविद्यालय के छात्रों का जिला व मंडल में उत्कृष्ट स्थान प्राप्त करने के बाद प्रदेश स्तरीय प्रतियोगिता में प्रतिभाग करने का अवसर मिला। इस वर्ष भी गुरूवार को पचमोहनी में आयोजित प्रतियोगिता में छात्रा दीप शिखा कसौधन ने पोस्टर प्रतियोगिता में जिले में सर्वोच्च स्थान प्राप्त किया। महाविद्यालय की होनहार छात्रा अर्चिता मिश्रा ने क्विज प्रतियोगिता में द्वितीय व साक्षी मिश्रा ने तृतीय स्थान हासिल किया।

नकाबपोश ने घर में घुस कर महिला के सिर किया वार, जेवर छीन फरार

संवाददाता–सिद्धार्थनगर। चिल्हिया थाना के परसिया गांव के एक घर में शुक्रवार सुबह साढ़े आठ बजे एक नकाबपोश ने घुस कर महिला के सिर पर वार कर उसे बेहोश करने के बाद जेवर छीन लिया और फरार हो गया। मौके पर सीओ शोहरतगढ़ व चिल्हिया थाना की पुलिस ने महिला का बयान दर्ज कर लिया है। पीडित ने तहरीर देकर कार्रवाई की मांग की है। मामले की छानबीन पुलिस कर रही है। परसिया गांव की रहने वाली पायल उपाध्याय (27) पत्नी नित्यानंद उपाध्याय शुक्रवार को घर के अंदर थी। पति घर के बाहर ट्रैक्टर में डीजल डालने चले गए थे। ननद सावित्री छत पर कपड़ा डालने गई थी। घर के बाकी चार सदस्य कार्तिक पूर्णिमा पर बानगंगा नदी में स्नान करने गए थे। बताया जा रहा है कि इस दौरान एक नकाबपोश व्यक्ति घर के अंदर घुसा और उसने पायल के सिर पर किसी चीज से वार कर दिया इससे वह बेहोश होकर गिर गई। इसके बाद नकाबपोश ने नाक से सोने की कील व गले में पहना सोने का चेन छीन लिया और फरार हो गया। भागने के दौरान चेन घर में ही गिर गया। शोर सुनकर महिला का पति व ग्रामीण मौके पर पहुंच गए लेकिन नकाबपोश फरार हो चुका था। मौके पर सीओ शोहरतगढ़ सुजीत कुमार राया, थानाध्यक्ष चिल्हिया दुर्गा प्रसाद पहुंच गए थे। महिला से पूरी घटना की जानकारी ली। पीडिध्त की तहरीर लेकर जांच शुरू कर दी है।

जेवर की दुकान से नकदी और आभूषण चोरी

संवाददाता–गोरखपुर। पिपराइच क्षेत्र के गोपालपुर चौराहे पर स्थित जेवर की दुकान में गुरुवार की रात चोरों ने शटर तोड़कर नकदी और आभूषण चुरा लिया। पुलिस को दिए तहरीर में दुकानदार घनश्याम वर्मा ने बताया कि रोज की तरह गुरुवार की शाम दुकान बंद कर वह अपने घर एम्स क्षेत्र के जगदीशपुर चले गये थे। शुक्रवार को आए तो चोरी की जानकारी हुई। दुकान से चांदी की थाली, गिलास, कटोरा तथा सोने का टप्स समेत नकदी डेढ़ हजार रुपये थे सभी चोरी हो गए हैं। पुलिस जांच कर रही है।

हेलो तुम्हारी बहन को लाठी–डंडे से पीटकर मार डाला

संवाददाता–अयोध्या। युवक के पास फोन आया। फोन करने वाले ने कहा कि हेलो तुम्हारी बहन को लाठी–डंडे से पीटकर मार डाला गया है। मायकेवाले पहुंचे तो आंगन में लाश पड़ी मिली। उत्तर प्रदेश के अयोध्या में विवाहिता की लाश आंगन में पड़ी मिली। सूचना पर मायकेवाले पहुंचे तो शव देख बिलख पड़े। उन्होंने ससुरालीजनों पर हत्या करने का आरोप लगाया है। सूचना पर पहुंची पुलिस ने घटना की जानकारी ली है। घटना तारुन थाना क्षेत्र के गुरौली मजरे रजौरा की है। बीकापुर के सहजपुर मठीवा निवासी मृतका के भाई अनिल निषाद ने बताया कि 2018 में उनकी बहन सुनीता की शादी गुरौली मजरे रजौरा निवासी इंद्रजीत के साथ हुई थी। उनके तीन छोटे बच्चे हैं। शुक्रवार की सुबह आठ बजे एक अनजान व्यक्ति ने फोन करके बताया कि उनकी पहन की परिजनों ने डंडे से पीट–पीटकर हत्या कर दी है।

इस पर वह घरवालों के साथ बहन के घर पहुंचे तो आंगन में उनकी लाश पड़ी मिली। बताया कि बहन की उंगली व पेट मे चोट के निशान हैं। उनकी बहन बताती थी कि पहले भी उसके पति परेशान करते थे। बताया कि पुलिस ने तहरीर लेने से इंकार कर दिया। सूचना पर क्षेत्राधिकारी बीकापुर सुरेंद्र सिंह, नायब तहसीलदार राम खेलावन भी पुलिस के साथ पहुंचे। उन्होंने घटना की जानकारी ली। थाना प्रभारी निरीक्षक सुमित श्रीवास्तव ने बताया कि अभी तक तहरीर नहीं मिली है। पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद मौत का कारण पता चलेगा। रिपोर्ट के बाद आगे की कार्रवाई की जाएगी।

कार की चपेट में आने से युवक का पैर टूटा

संवाददाता–सिद्धार्थनगर। भवानीगंज कस्बे में थाने के पास गुरुवार की रात कार के चपेट में आने से युवक का पैर टूट गया। पीडिध्त युवक ने थाने में तहरीर देकर कार्रवाई की मांग की है अयोध्या जनपद के तारून थाना क्षेत्र के सोनौरा गनेशपुर निवासी शैलेंद्र कुमार दुबे पुत्र राम नायक दुबे ने पुलिस को दी तहरीर में बताया है कि वह भवानीगंज कस्बे में थाने से कुछ दूरी पर गल्ले की दुकान पर काम करता है। गुरुवार की रात करीब10 बजे दुकान से अपने रूम पर जा रहा था। पुरैना की तरफ से आ रही कार ने जोरदार टक्कर मार दी। इससे उसका पैर टूट गया। शिकायतकर्ता ने पुलिस से मामले में कार्रवाई की मांग की है।

नगर निगम गोरखपुर ने लिया बड़ा फैसला, 2516 बड़े बकाएदार निशाने पर

संवाददाता–गोरखपुर। संपत्ति कर के बड़े बकाएदारों के खिलाफ नगर निगम ने अब सख्त कदम उठाने का निर्णय लिया है। नगर आयुक्त के निर्देश पर शहर में 2516 बड़े बकाएदारों की सूची तैयार की गई है। इनको नोटिस दिया जाएगा। नोटिस के 15 दिनों के अंदर बकाया जमा नहीं किया गया तो संबंधित के बैंक खाते सीज करा दिए जाएंगे। नगर आयुक्त गौरव सिंह सोगरवाल ने बताया कि वित्तीय वर्ष 2024–25 में सभी करदाताओं को संपत्ति कर के बिल भेजे जा चुके हैं। 30 सितंबर तक छूट भी उपलब्ध कराई गई थी। लगातार संपर्क, बिल प्रेषण और शिविर आयोजन के बावजूद कई बकाएदारों ने भुगतान नहीं किया है।

उन्होंने सभी जोनल अधिकारियों को निर्देशित किया कि हर जोन के बकाएदारों की सूची तैयार करें। पहली सूची में 2516 बकाएदारों को चिह्नित किया गया है, जिनमें राजकीय संपत्तियां भी शामिल हैं। निर्देश दिए कि सूची का परीक्षण कर लें और यदि किसी ने पहले ही कर का भुगतान कर दिया हो और किसी कारणवश सूची में नाम आ गया, तो उसके अनुसार अपडेट करें। नगर आयुक्त ने बचे बकाएदारों को एक हफ्ते के अंदर नोटिस जारी करने का निर्देश दिया। राजकीय संपत्तियों के लिए अलग पत्रावली तैयार करने के निर्देश दिए। उन्होंने अपर नगर आयुक्त और मुख्य कर निर्धारण अधिकारी को प्रतिदिन कार्यवाही की समीक्षा करने के निर्देश दिए हैं।

कार्यालय अधीक्षण अभियन्ता बस्ती वृत्त, लो0नि0वि0, बस्ती

पत्रांक : 1865 प्रथम/ | दिनांक– 26.10.2024

–: ई–निविदा सूचना :–

1– महामहिम राज्यपाल, महोदय उत्तर प्रदेश की ओर से अधीक्षण अभियन्ता, बस्ती वृत्त, लो०नि०वि०, बस्ती द्वारा उत्तर प्रदेश लोक निर्माण विभाग हेतु ए. बी. एवं सी श्रेणी में पंजीकृत निविदादाताओं से निम्नलिखित कार्य हेतु ई–टेन्डरिंग के माध्यम से नीचे दर्शाये गये कार्य की निविदा आनलाइन आमंत्रित की जाती है। विडर्स को सलाह दी जाती है कि वे आई०टी०पी० के क्लाज 4 में निविदा स्वीकृत करने के सम्बन्ध में न्यूनतम योग्यता हेतु विर्ड्स को दिये गये निर्देशों को ध्यान से पढ़ लें।

क0 सं0	जनपद का नाम	कार्य का नाम	कार्य की लागत (रू0 लाख में)	अनुरक्षण कार्य की 15% लागत (रू0 लाख में)	कुल लागत (रू0 लाख में)	धरोहर धनराशि (रू0 लाख में)	निविदा प्रपत्र का मूल्य समस्त कर सहित (रू0 में)	कार्य पूर्ण करने की अवधि (वर्षा ऋतु सहित)
1	2	3	4	5	6	7	8	9
1	बस्ती	सुरवार हनुमानगंज मार्ग से खुटहना मार्ग	57.39	4.39	61.78	5.09	2714.00	05 माह
2	बस्ती	विशम्भर चक सम्पर्क मार्ग	54.60	4.18	58.78	4.94	2714.00	05 माह
3	बस्ती	वाल्टरगंज गौरा मार्ग से वैरवा पुरवां मार्ग	56.37	4.31	60.68	5.04	2714.00	05 माह
4	बस्ती	बोधपुर सुकरौली में नोनहा पंडित पुरवा मार्ग	55.57	4.26	60.01	5.00	2714.00	05 माह
5	बस्ती	मुगरहा सेखुई मार्ग से बरगदवा मार्ग	42.74	3.27	46.01	4.30	2714.00	05 माह
6	बस्ती	विशुनपुरवा हनुमानगंज किमी 3 से कनकपुरवा मार्ग	42.97	3.29	46.26	4.31	2714.00	05 माह
7	बस्ती	बाधाडीहा हरैया मिश्र मार्ग से सुकरौली मार्ग	41.04	3.14	44.18	4.21	2714.00	05 माह
8	बस्ती	बस्ती बांसी मार्ग से पोखरभिटवा मार्ग	68.41	5.23	73.64	5.68	2714.00	05 माह
9	बस्ती	डारीडीहा भदेश्वरनाथ मार्ग से भैसहिया यादवपुरवा तक सम्पर्क मार्ग का	54.00	4.13	58.13	4.91	2714.00	05 माह
10	बस्ती	नरखोरिया कांटे खैरा से बनगवां सम्पर्क मार्ग का निर्माण कार्य	38.70	2.96	41.66	4.08	2714.00	05 माह
11	बस्ती	अमारेडीहा से तुरकौलिया राय सम्पर्क मार्ग का निर्माण कार्य	68.80	5.26	74.06	5.70	2714.00	05 माह
12	बस्ती	हिनौता खोरिया पिच मार्ग से हिनौता ग्राम तक सम्पर्क मार्ग का निर्माण	47.97	3.67	51.64	4.58	2714.00	05 माह
13	बस्ती	सोनहा शिवाघाट से गौहनिया चौधरीडीह पश्चिमपुरवा मार्ग का निर्माण कार्य	33.79	2.59	36.38	3.64	2714.00	05 माह

2– प्रत्येक निविदा का शुल्क खाता UP e-tender online Account-Govemment के internet Banking के द्वारा ही स्वीकार की जायेगी।

3– प्रत्येक निविदा सिक्योरिटी धनराशि खाता UP e-tender online count के Internet Banking के द्वारा ही स्वीकार की जायेगी। बिड डाक्यूमेन्ट वेबसाईट http://etender.up.nic.in पर दिनांक 18.11.2024 (11:00 बजे पूर्वान्ह) से 26.11.2024 (12:00 बजे माध्यान्ह) तक उपलब्ध है एवं अपलोड किया जा सकता है। निविदा की तकनीकी बिड दिनांक 26.11.2024 (12:30 अपरान्ह) आनलाइन खोली जायेगी।

4– निविदा आमंत्रणकर्ता को संशोधन, शुद्धिपत्र जारी करने का अधिकार हैं, जो आनलाइन उपलब्ध रहेगा। समस्त इच्छुक निविदादाता को सलाह दी जाती है कि वे ई–टेण्डर पोर्टल को नियमित रूप से देखते रहे।

5– निविदा से सम्बन्धित अधिक जानकारी वेबसाइट http://etender.up.nic.in पर उपलब्ध है। इस वेबसाइट के चाणक्य पोर्टल के प्रहरी सॉफ्टवेयर पर निविदा अपलोड की जायेगी। प्रहरी सॉफ्टवेयर की वेबसाइट www.uppwd.gov.in/prahari है।

(इं0 अवधेष कुमार)
अधिशासी अभियन्ता,
निर्माण खण्ड–1,लो0नि0वि0, बस्ती

(इं0 ए0के0 वर्मा)
अधीक्षण अभियन्ता,
बस्ती वृत्त,लो0नि0वि0, बस्ती

संख्या उ0प्र0 222258 दिनांक 13/11/2024
विज्ञापन वेबसाइट www.up.gov.in पर उपलब्ध है।

कार्यालय अधिषासी अभियन्ता निर्माण खण्ड–1, लो0नि0वि0, बस्ती

पत्रांक : 2408/4ए | दिनांक– 08.11.2024

–: ई–निविदा सूचना :–

1– महामहिम राज्यपाल, महोदय उत्तर प्रदेश की ओर से अधिषासी अभियन्ता, नि0ख0–1, बस्ती वृत्त, लो०नि०वि०, बस्ती द्वारा उत्तर प्रदेश लोक निर्माण विभाग हेतु ए. बी. सी. एव डी. श्रेणी में पंजीकृत निविदादाताओं से निम्नलिखित कार्य हेतु ई–टेन्डरिंग के माध्यम से नीचे दर्शाये गये कार्य की निविदा आनलाइन आमंत्रित की जाती है। विडर्स को सलाह दी जाती है कि वे आई०टी०बी० के क्लाज 4 में निविदा स्वीकृत करने के सम्बन्ध में न्यूनतम योग्यता हेतु विर्ड्स को दिये गये निर्देशों को ध्यान से पढ़ लें।

क0 सं0	जनपद का नाम	कार्य का नाम	कार्य की लागत (रू0 लाख में)	अनुरक्षण कार्य की लागत (रू0 लाख में)	कुल लागत (रू0 लाख में)	धरोहर धनराशि (रू0 लाख में)	निविदा प्रपत्र का मूल्य समस्त कर सहित (रू0 में)	कार्य पूर्ण करने की अवधि (वर्षा ऋतु सहित)
1	2	3	4	5	6	7	8	9
1	बस्ती	हडिया–परोली मार्ग कंकड़	20.40	2.80	23.20	2.32	944.00	03 माह
2	बस्ती	हनुमानगंज पकड़ी सोपना मार्ग	3.50	0.50	4.00	0.40	944.00	03 माह
3	बस्ती	बरटाड तुर्कवलिया मार्ग	2.30	0.35	2.65	0.26	944.00	03 माह
4	बस्ती	मंझरिया शुक्ल से लोहटी मार्ग	3.80	0.70	4.50	0.45	944.00	03 माह
5	बस्ती	नेशनल हाइवे से अम्बेडकर ग्राम अमौली	12.40	1.50	13.90	1.39	944.00	03 माह
6	बस्ती	अम्बेडकर ग्राम जिगनी से अम्बे0 ग्राम भेलखा	8.50	1.30	9.80	0.98	944.00	03 माह
7	बस्ती	बस्ती कांटे मार्ग के किमी0.18 से कुस्महा तक	17.90	2.70	20.60	2.06	944.00	03 माह
8	बस्ती	एल0आर0पी0रोड बस्ती गोरखपुर मार्ग से खझौला	6.50	0.97	7.47	0.75	944.00	03 माह
9	बस्ती	बरगदवा में नौवा गांव से बरगदवा हैचरी तक सम्पर्क मार्ग	9.90	1.50	11.40	1.14	944.00	03 माह
10	बस्ती	हरदिया बहेरिया सकरौली मार्ग का अवशेष भाग कार्य	13.30	1.98	15.28	1.53	944.00	03 माह
11	बस्ती	ग्राम बरगदवा में संजय कुमार के घर से बाईपास होते हुए सामुदायिक विकास केन्द्र तक	10.95	1.70	12.65	1.27	944.00	03 माह
12	बस्ती	ग्राम पंचायत मझौवाकलां द्वितीय बड़ा पुरवा गंगाराम लोहार के घर से पिच रोड तक	5.50	0.90	6.40	0.64	944.00	03 माह
13	बस्ती	कुस्महा जिवधरा मार्ग के मोड से जिवधरा प्राथमिक विद्यालय के मोड तक	12.20	2.00	14.20	1.42	944.00	03 माह
14	बस्ती	रसूलपुर में मन्दिर से तरेता मार्ग	6.90	1.10	8.00	0.80	944.00	03 माह
15	बस्ती	मुण्डेरवा–महदेवा मार्ग से काछी	7.50	1.50	9.00	0.90	944.00	03 माह
16	बस्ती	देईपार–मिरीया मार्ग कंकड़	17.50	2.50	20.00	2.00	944.00	03 माह
17	बस्ती	महदेवा रोड से अम्बेडकर ग्रम कांची	19.50	3.00	22.50	2.25	944.00	03 माह
18	बस्ती	गौर वाल्टरगंज मार्ग से अर्जुनवीरों सम्पर्क मार्ग का अवशेष भाग का निर्माण कार्य।	17.70	2.80	20.50	2.05	944.00	03 माह

2– प्रत्येक निविदा का शुल्क खाता UP e-tender online Account-Government के Intenet Banking के द्वारा ही स्वीकार की जायेगी।

3– प्रत्येक निविदा सिक्योरिटी धनराशि खाता UP e&tender online count के Internet Banking के द्वारा ही स्वीकार की जायेगी।
बिड डाक्यूमेन्ट बेवसाईट http://etender.up.nic.in पर दिनाक 18.11.2024 (11:00 बजे पूर्णता) से 26.11.2024 (12:00 बी मध्यान्ह) तक उपलब्ध है एवं अपलोड किया जा सकता है। निविदा की तकनीकी बिड दिनांक 26.11.2024 (12.30 अपरान्त) आनलाइन खोली जायेगी।

4– निविदा आमंत्रणकर्ता को संशोधन, शुद्धिपत्र जारी करने का अधिकार है, जो आनलाइन उपलब्ध रहेगा। समस्त इच्छुक निविदादाता को सलाह दी जाती है कि वे ई–टेण्डर पोर्टल को नियमित रूप से देखते रहे।

5– निविदा से सम्बन्धित अधिक जानकारी वेबसाइट http://etender-up-nic-in पर उपलब्ध है। इस वेबसाइट के चाणक्य पोर्टल के प्रहरी सॉफ्टवेयर पर निविदा अपलोड की जायेगी। प्रहरी सॉफ्टवेयर की वेबसाइट www-uppwd-gov-in/prahari है।

(इं0 अवधेष कुमार)
अधिशासी अभियन्ता,
निर्माण खण्ड–1,लो0नि0वि0, बस्ती

संख्या उ0प्र0 222294 दिनांक 13/11/2024
विज्ञापन वेबसाइट www.up.gov.in पर उपलब्ध है।

दैनिक भारतीय बस्ती

स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक, मुद्रक प्रदीप चन्द्र पाण्डेय द्वारा दर्पण प्रिन्टिंग प्रेस वि0. नया हाल 1–4 A लोहिया काम्पलेक्स जिला पंचायत भवन गांधीनगर बस्ती (उ.प्र.) से मुद्रित एवं प्रकाशित।
सम्पादक दिनेश चन्द्र पाण्डेय

प्रबन्ध सम्पादक–दिनेश सिंह
संयुक्त सम्पादक–प्रदीप चन्द्र पाण्डेय
अयोध्या–फैजाबाद कार्यालय–
चतुर्भुजी मंदिर परिसर लक्ष्मण घाट अयोध्या–फैजाबाद
लखनऊ कार्यालय–
आशियाना चौराहा, एल.डी.ए. कालोनी, सेक्टर एच. कानपुर रोड लखनऊ।
गोरखपुर कार्यालय–
इलाहीबाग गोरखपुर।
मो09450567450 9336715406,
ई.मेलbhartiyabasti@yahoo.com
bhartiyabasti@gmail.com